डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -92 | प्रयागराज, गुरुवार 15 जून,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

सुबह 5:12 बजे

शाम 6:54 बजे

अधिकतम 43 से 46 डिग्री

न्यूनतम 39 से 40 डिग्री

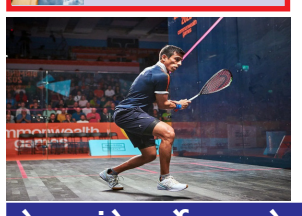

खेलः लंबे अर्से बाद हो रहे विश्व कप में भारत ने हांगकांग...

सिनेमाःबालों की कट स्टाइल साधना

समाचार संक्षिप्त

इस तारीख को एक साथ शुरू होंगी 5 नई वंदे भारत ट्रेनें,पीएम मोदी दिखा सकते हैं हरी झंडी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे 26 जून से पांच और मार्गों पर 'वंदे भारत' ट्रेनों का संचालन करने के लिए तैयार है। 2 जून को ओडिशा में तीन-ट्रेन दुर्घटना के बाद यह पहबार होगा। 2 जून ओडिशा ट्रेन दुर्घटना में 288 लोगों की जान चली गई थी। खबरों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने की उम्मीद है। जिन रूटों पर पांच ट्रेनें चलेंगी वे हैं- मुंबई-गोवा, बेंगलुरु-हुबली, पटना-रांची, भोपाल-इंदौर और भोपाल-जबलपुर। रेल मंत्रालय ने ओडिशा त्रासदी के बाद मुंबई-गोवा वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ रद्द कर दिया था। यह पहली बार है जब पांच वंदे भारत ट्रेनों का संचालन एक ही दिन शुरू होगा। जबकि अतीत में इस तरह के प्रक्षेपणों ने बहुत अधिक धूमधाम देखी है।

गुजरात सरकार ने स्कूली बच्चों के लिए शुरू किया निशुल्क स्वास्थ्य जांच अभियान

गाँधीनगर। गुजरात सरकार ने शाला आरोग्य-राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत राज्य के स्कूली बच्चों के निशुल्क स्वास्थ्य जाँच अभियान की शुरुआत 20वें शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के पहले दिन यानी 12 जून 2023 से कर दी है। इस अभियान को अगले 30 दिनों तक सघन तरीके से चलाया जाएगा जिसमें गुजरात सरकार ने लगभग 1 करोड़ से अधिक स्कूली बच्चों की निशुल्क स्वास्थ्य जाँच का लक्ष्य रखा है। केन्द्र और राज्य द्वारा सह-संचालित एक ऐसा कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत राज्य में नवजात से लेकर 6 वर्ष तक के आंगनबाड़ी बच्चों, प्राथमिक विद्यालय के बच्चों, माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों और यहाँ तक कि 18 वर्ष तक के स्कूल न जाने वाले बच्चों का भी निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण राज्य सरकार के द्वारा किया जाता है।

165 किमी की रफ्तार से गुजरात तट की ओर बढ़ रहा बिपरजॉय कच्छ और सौराष्ट्र में तेज बारिश, रक्षा मंत्री ने 3 सेना प्रमुखों से बात की

सूरत (एजेंसी)। चक्रवात बिपारजॉय गुजरात तट की ओर तेजी से बढ़ा, सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। प्राधिकारियों ने अब तक कच्छ जिले में जखाऊ बंदरगाह के पास चक्रवात की संभावित भूमि से पहले गुजरात के तटीय क्षेत्रों से 50,000 लोगों को अस्थायी आश्रयों में स्थानांतरित कर दिया है। इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को तीनों सेना प्रमुखों से बात की और चक्रवात 'बिपारजॉय' के प्रभाव से निपटने के लिए सशस्त्र बलों की तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि तीनों सेना प्रमुखों से बात की और चक्रवात 'बिपारजॉय' के लैंडफॉल के लिए सशस्त्र बलों की तैयारियों की समीक्षा की। सशस्त्र बल नागरिक अधिकारियों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हैं। गुजरात के कच्छ जिले के जखाऊ बंदरगाह के पास शक्तिशाली चक्रवात 'बिपारजॉय' की संभावित दस्तक से पहले अधिकारियों ने राज्य के तटीय इलाकों से अब तक लगभग 50 हजार लोगों को निकालकर अस्थायी आश्रय शिविरों में स्थानांतरित किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को बताया कि 'बिपारजॉय' के गुजरात तट की ओर बढ़ने के साथ सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्र को तेज हवाओं एवं भारी बारिश का सामना करना पड़ा। आईएमडी ने कहा कि 'बिपारजॉय' बुधवार को मार्ग बदलने और उत्तर-पूर्व दिशा में कच्छ तथा सौराष्ट्र की ओर बढ़ने को तैयार है तथा यह बृहस्पतिवार शाम को जखाऊ बंदरगाह के पास टकराएगा।

इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को तीनों सेना प्रमुखों से बात की और चक्रवात बिपारजॉय के प्रभाव से निपटने के लिए सशस्त्र बलों की तैयारियों की समीक्षा की। तैयारियों की समीक्षा करने के बाद सिंह ने कहा कि सशस्त्र बल चक्रवात के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने में हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए तैयार

हैं। राजनाथ सिंह ने ट्विटर पर कहा, तीनों सेना प्रमुखों से बात की और चक्रवात बिपारजॉय के संबंध में सशस्त्र बलों की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा, सशस्त्र बल चक्रवात के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति या आपात स्थिति से निपटने में अधिकारियों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हैं। राहत और बचाव कार्यों के लिए सेना, नौसेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) भी तैयार हैं। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बुधवार सुबह समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में देवभूमि द्वारका जिले के खंभालिया तालुक में सबसे ज्यादा 121 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वहीं, द्वारका और कल्याणपुर में इस अवधि में क्रमशः 92 मिलीमीटर और 70 मिलीमीटर पानी बरसा। विज्ञप्ति के मुताबिक, उक्त अवधि में जामनगर, जूनागढ़, राजकोट, पोरबंदर और कच्छ जिले के नौ तालुक में 50 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई। एसईओसी के अनुसार, बुधवार सुबह समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में सौराष्ट्र और कच्छ जिले के 54 तालुक में 10 मिलीमीटर से ज्यादा पानी बरसा। प्रदेश राहत आयुक्त आलोक कुमार पांडे ने कहा, 'चक्रवात अभी कच्छ से लगभग 290 किलोमीटर दूर है। एहतियाती कदम के तौर पर हमने लगभग 50 हजार लोगों को तटीय इलाकों से निकालकर सुरक्षित आश्रय शिविरों में स्थानांतरित कर दिया है। निकासी अभियान अभी भी जारी है और शाम तक शेष पांच हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा।'

बेंगलुरु में किराए को लेकर हुए झगड़े में ऑटो चालक ने यात्री की चाकू मारकर हत्या की, गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजंसी)। बेंगलुरु में किराए को लेकर हुए विवाद के बाद एक ऑटोरिक्शा चालक ने कथित तौर पर चाकू मारकर एक यात्री की हत्या कर दी, जबकि उसका भाई घायल हो गया। मृतक की

पहचान अहमद के रूप में हुई है, जबकि घायल की पहचान 26 वर्षीय अयूब के रूप में हुई है। घटना उस वक्त हुई जब दोनों यात्री मैजेस्टिक से यशवंतपुर रेलवे स्टेशन के लिए ऑटो लेकर गए। जब वे गंतव्य पर पहुंचे तो ऑटो चालक ने अधिक किराया मांगा जिससे उनके बीच झगड़ा हो गया। इसके बाद ऑटो चालक ने यात्रियों के साथ मारपीट की और उन्हें चाकू मार दिया। अहमद की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई, उसका भाई अयूब गंभीर चोटों के साथ अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में है। चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि आरोपियों के खिलाफ हासन जिले में अन्य मामले भी लंबित हैं।

बिहारः मांझी के बयान पर बोले तेजस्वी,वह हमारे सीनियर हैं

पटना (एजेंसी0। बिहार मे नीतीश सरकार से जीतन राम मांझी के बेटे संतोष कुमार सुमन के इस्तीफे के बाद आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी जारी है। आज ही जीतन राम मांक्षी ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सरकार पर कई बड़े आरोप भी लगा दिए थे। इसी को लेकर बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान दिया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि वह (जीतन राम मांझी) हमारे सीनियर हैं, वह कुछ भी कह सकते हैं। हम उनका सम्मान करते हैं, लेकिन हमारी सरकार ने राज्य के विकास के लिए किस तरह का काम किया है, यह सभी जानते हैं।

इससे पहले जीतन राम मांझी ने कहा था कि हमारी कुछ मांगे थी, हम लगातार अपनी मांग रखते रहे। किसानों को बिजली मुफ्त में देने की बात थी। इसके अलावा शेड्यूल कास्ट की बात थी। लेकिन हमारी बात नहीं मानी गई। उन्होंने कहा कि हम कुछ बातों को इंप्लीमेंट कराना चाहते थे जिससे कि बिहार का

हमारी सरकार विकास के काम कर रही

भविष्य बदल सकता था। लेकिन उसे नहीं माना गया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बिहार में बालू नीति और शराब नीति की वजह के वित्त को पूरी तरीके से चौपट कर दिया गया है और गरीब तबके के लोग इससे काफी प्रभावित हुए हैं। हमने इसे विभिन्न मंचों पर उठाया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। लोग हम ही से सवाल करते थे कि आप क्यों वहां पर मौजूद है। इसी कारण है कि हमने अलग होने का फैसला लिया है।

इतना ही नहीं उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमने देखा, परखा तब जाकर यह निर्णय लिया है। उन्होंने अपने निर्णय को लेकर कहा कि हमने नेशनल काउंसिल की बैठक के बाद यह सब निर्णय लिया है। विधायकों ने खुद नीतीश कुमार से मुलाकात की थी। लेकिन तब नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कह दिया था कि या तो आप पार्टी में आ जाइए या बाहर चले जाइए। उन्होंने कहा कि चाहे ललन सिंह हो, तेजस्वी यादव हो या नीतीश कुमार हो मुझे किसी से व्यक्तिगत परेशानी नहीं है लेकिन जनहित के साथ समझौता नहीं होगा।

पुर्तगाली पासपोर्ट दिलाने के नाम पर 50 से अधिक लोगों के साथ धोखाधड़ी, एक गिरफ्तार

पणजी। गोवा पुलिस ने पुर्तगाली जन्म प्रमाणपत्र पाने तथा पुर्तगाली पासपोर्ट हासिल करने में मदद के नाम पर 50 से अधिक लोगों से धोखाधड़ी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। ओल्ड गोवा थाने के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि आरोपी एल्बिनो सेक्यूइरा ने लोगों से धन लिया और उनके साथ धोखाधड़ी की। मडगांव के एक व्यक्ति ने 23 मई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि सेक्यूइरा ने पुर्तगाली जन्म प्रमाणपत्र तथा पुर्तगाली पासपोर्ट हासिल करने में मदद के नाम पर जुलाई 2021 से उससे और अन्य लोगों से धन लिया और कोई दस्तावेज नहीं दिलाए बल्कि बाद में उससे मिलना तक बंद कर दिया।

खम्मम में जनसभा को संबोधित करेंगे अमित शाह 15 जून को 'आरआरआर' और 'बाहुबली' फिल्म के निर्देशक से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तेलंगाना का दौरा करने वाले हैं। अमित शाह खम्मम में जनसभा को संबोधित करेंगे और

इसके साथ ही 15 जून को 'आरआरआर' और 'बाहुबली' फिल्म निर्देशक राजामौली से भी मिलेंगे। तेलंगाना भाजपा के सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को यहां ब्लॉकबस्टर फिल्मों 'आरआरआर' और 'बाहुबली' के निर्देशक एस एस राजामौली से मुलाकात करेंगे। शाह, जो आज रात एक विशेष विमान से यहां उतरेंगे, गुरुवार को हैदराबाद से लगभग 200 किलोमीटर दूर खम्मम में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

हैदराबाद से शाह हेलिकॉप्टर से भद्राचलम पहुंचेंगे और श्रीराम मंदिर में विशेष पूजा अर्चना करेंगे। वहां से भाजपा के वरिष्ठ नेता खम्मम पहुंचेंगे और आंध्र प्रदेश (अविभाजित) के पूर्व मुख्यमंत्री एन टी रामाराव को माल्यार्पण करने के बाद जनसभा में शामिल होंगे। बैठक के बाद गृह मंत्री सड़क मार्ग से विजयवाड़ा जाएंगे और रात में अहमदाबाद के लिए विशेष उड़ान भरेंगे। इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों में तेलंगाना में सत्तारूढ़ बीआरएस के विकल्प के रूप में उभरने के लक्ष्य के साथ, भाजपा शाह की जनसभा को एक बड़ी सफलता बनाने के लिए उत्सुक है।

6-7 साल तक चुनाव नहीं हुए, फिर भी एक भी पार्टी नहीं उठा रही सवाल

नई दिल्ली। देश में राजनीति एकता की कवायद जोर-शोर से उठ रही है और मोदी सरकार के विरूद्ध महागठबंधन बनाने की कोशिशें भी आकर

गुलाम नबी आजाद बोले-जब उनकी बात आती है तो वे एकता की बात करते हैं

ले रही है। लेकिन जम्मू कश्मीर के नेता इससे खासा इत्तेफाक रखते नहीं नजर आ रहे हैं। पहले तो पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने और फिर अब पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने भी इस पहल को ज्यादा तव्जयों नहीं दिया है। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के प्रमुख गुलाम नबी आज़ाद ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में छह साल से चुनाव नहीं हो रहे हैं और एक भी पार्टी इस पर सवाल नहीं उठा रही है। इसलिए, उमर

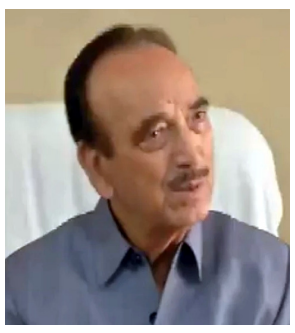

अब्दुल्ला जो कह रहे हैं वह सही है। मुझे दूसरी राजनीतिक पार्टियों से भी यही शिकायत है। जब उनकी बात आती है तो वे एकता की बात करते हैं और जब यहां 6-7 साल तक चुनाव नहीं होते हैं तो एक भी पार्टी आवाज नहीं उठाती है। नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव कराने से डर रही है क्योंकि जम्मू कश्मीर के लोग उनसे खुश नहीं है। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर लोग खुश और संतुष्ट होते तो क्या आपको नहीं लगता कि उन्होंने (केंद्र) यहां चुनावों की घोषणा की होती। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराये जाने में देरी पर प्रश्नों का जवाब देते-देते वह थक चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि भाजपा तैयार नहीं है और यदि वह तैयारी होती तो चुनाव करा लिये गये होते।

भ्रष्टाचार देश की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा, कब खत्म होगा फर्जी दस्तावेज बनाने का गोरख धंधा

नई दिल्ली। हमारे देश में भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी मजबूत है, इसके उदाहरण हमें लगातार मिलते रहे हैं। लेकिन भ्रष्टाचार के जरिए देश की सुरक्षा पर भी खतरा पहुंच सकता है। क्या ये आपको पता है। हम आपको यह बताने जा रहे हैं कि एक रिपोर्ट के मुताबिक दो पाकिस्तानी नागरिक भारतीय सेना में काम करते हैं। इनके नाम जयकांत कुमार और प्रद्युम्न कुमार है। कथित तौर पर बताया जा रहा है कि यह दोनों पाकिस्तान से भारत आए। उसके बाद इन्होंने फर्जी दस्तावेज बनवाएं और फिर भारतीय सेना में शामिल हुए।

अन्नामलाई के बयान ने दक्षिण में बढ़ाई बीजेपी की परेशानी

नई दिल्ली। तमिलनाडु में एनडीए के सहयोगी अन्नाद्रमुक और भाजपा के बीच तल्खी देखने को मिल रही है। भगवा पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख के अन्नामलाई के खिलाफ दिवंगत जे जयललिता की अप्रत्यक्ष आलोचना के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया। अन्नामलाई ने अन्नाद्रमुक पर पलटवार करते हुए कहा कि किसी को मुझे गठबंधन धर्म सिखाने की कोई आवश्यकता नहीं है। एआईएडीएमके ने अन्नामलाई के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया है।

भड़की एआईएडीएमके ने पास किया प्रस्ताव

एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने उस प्रस्ताव को पढ़ा जिसमें उन्होंने कहा कि अन्नामलाई ने जयललिता को जानबूझकर बदनाम करने के इरादे से एक प्रमुख अंग्रेजी दैनिक को एक साक्षात्कार दिया। उन्होंने कहा कि इससे अन्नाद्रमुक कार्यकर्ताओं और जनता की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंची है। अन्नामलाई के साक्षात्कार के दौरान अप्रत्यक्ष रूप से भ्रष्ट होने का आरोप

लगाने के बाद पार्टी कार्यकर्ता अन्नामलाई की आलोचना कर रहे हैं। एडप्पादी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी सहित राष्ट्रीय नेताओं का 'अम्मा' (जयललिता) के प्रति बहुत सम्मान था और यहां तक ??कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनसे उनके आवास पर मुलाकात की थी।

'नीतीश ने हमें कहा कि पार्टी में आ जाएं या फिर बाहर चले जाएं'

पटना (एजेंसी)। बिहार मे नीतीश सरकार से जीतन राम मांझी के बेटे संतोष कुमार सुमन के इस्तीफे के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। बेटे के इस्तीफे के बाद पहली बार जीतन राम मांक्षी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि मुझे किसी से व्यक्तिगत परेशानी नहीं है लेकिन जनहित के साथ समझौता नहीं होगा। मांझी ने कहा कि हमने अपनी समस्याओं को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समक्ष रहा लेकिन उन्होंने कहा कि पार्टी में आ जाएं या फिर बाहर चले जाएं। मांझी के बेटे का इस्तीफा नीतीश कुमार के लिए विपक्षी एकता की बैठक से पहले बड़ी झटका माना जा रहा है। जीतन राम मांझी ने कहा कि हमारी कुछ मांगे थी, हम लगातार अपनी मांग रखते रहे। किसानों को बिजली मुफ्त में देने की बात थी। इसके अलावा शेड्यूल कास्ट की बात थी। लेकिन हमारी

बेटे के इस्तीफे पर पहली बार बोले मांझी

बात नहीं मानी गई। उन्होंने कहा कि हम कुछ बातों को इंप्लीमेंट कराना चाहते थे जिससे कि बिहार का भविष्य बदल सकता था। लेकिन उसे नहीं माना गया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बिहार में बालू नीति और शराब नीति की वजह

से बिहार के वित्त को पूरी तरीके से चौपट कर दिया गया है और गरीब तबके के लोग इससे काफी प्रभावित हुए हैं। हमने इसे विभिन्न मंचों पर उठाया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। लोग हम ही से सवाल करते थे कि आप क्यों वहां पर मौजूद है। इसी कारण है कि हमने अलग होने का फैसला लिया है।

इतना ही नहीं उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमने देखा, परखा तब जाकर यह निर्णय लिया है। उन्होंने अपने निर्णय को लेकर कहा कि हमने नेशनल काउंसिल की बैठक के बाद यह सब निर्णय लिया है। विधायकों ने खुद नीतीश कुमार से मुलाकात की थी। लेकिन तब नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कह दिया था कि या तो आप पार्टी में आ जाइए या बाहर चले जाइए। उन्होंने कहा कि चाहे ललन सिंह हो, तेजस्वी यादव हो या नीतीश कुमार हो मुझे किसी से व्यक्तिगत परेशानी नहीं है लेकिन जनहित के साथ समझौता नहीं होगा।

बिहार सरकार के मंत्री संतोष सुमन ने अपनी पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दल जद (यू) में विलय के लिए ''दबाव'' बनाए जाने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को अचानक कैबिनेट से त्यागपत्र दे दिया। सुमन हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उनके पास पास अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग था। सुमन के पिता एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके जीतन राम मांझी ने हम पार्टी की स्थापना की थी। सुमन ने कहा, 'मैंने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री को भेज दिया है और अपनी बात रखने के लिए व्यक्तिगत रूप से विजय कुमार चौधरी (जदयू के वरिष्ठ नेता एवं मंत्री)से मिला हूं। मुझे उम्मीद है कि मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाएगा।

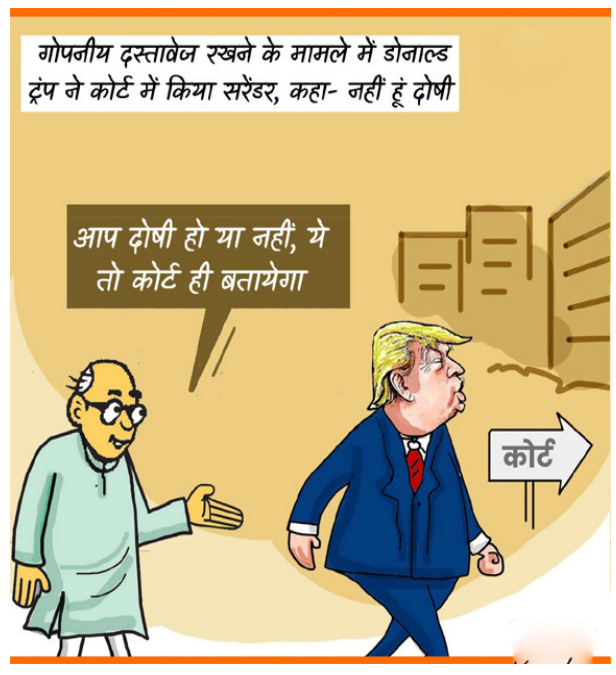

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में योग दिवस की तैयारियों के सम्बंध में बैठक सम्पन्न

योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम 21 जून को परेड ग्राउण्ड में किया जायेगा आयोजित
15 जून से 21 जून तक विभिन्न स्थानों पर योग सप्ताह का किया जायेगा आयोजन

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को कैम्प कार्यालय में 21 जून, 2023 को आयोजित होने वाले नवम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष योग दिवस की थीम ''हर घर-आंगन योग'' रखा गया है, जिससे योग के माध्यम से प्रत्येक परिवार को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। बैठक में बताया गया कि 15 जून से 21 जून, 2023 तक जनपद में विभिन्न स्थानों पर योग सप्ताह का आयोजन किया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि 15 जून से 21 जून तक प्रत्येक ग्राम पंचायतों, न्याय पंचायतों, स्थानीय निकायों एवं नगर निगम के प्रत्येक वार्डों में नियमित रूप से योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया जायेगा। बैठक में यह भी कहा गया कि 15 जून से 21 जून तक आयोजित योगा कार्यक्रम के तहत योग करने

इस बार योग दिवस की थीम ''हर घर-आंगन योग'' रखा गया है

वाले प्रत्येक व्यक्ति आयुष कवच पर योग करते हुए अपना फोटो अवश्य अपलोड करें। 21 जून को योग दिवस पर मुख्य कार्यक्रम का आयोजन परेड ग्राउण्ड में किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने परेड ग्राउण्ड पर साफ-सफाई, शौचालय, पेयजल, साउण्ड सिस्टम, एलईडी की व्यवस्था के साथ-साथ अन्य आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में जिलाधिकारी ने योगा कार्यक्रम का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करने तथा अधिक से अधिक लोगो को जोड़ने के लिए जागरूकता अभियान चलाये जाने के लिए कहा है। मुख्य कार्यक्रम स्थल पर सेल्फी प्वाइंट, सैण्ड आर्ट भी बनाये जाने के लिए कहा है। स्वीमिंग पुलों व बोट क्लब पर

वाटर योगा भी आयोजित किए जाने के लिए कहा है। अमृत सरोवरों, स्मृति वाटिका, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर, थानों तथा स्कूलों में भी योगा कार्यक्रम आयोजित किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने सभी विभागों को लक्ष्य आवंटित करने के लिए कहा है, जिससे कि अधिक से अधिक लोग कार्यक्रम में प्रतिभाग कर सके तथा योगा का लाभ प्राप्त कर सके। उन्होंने योगाभ्यास कराने के लिए प्रशिक्षित लोगो की टीम लगाये जाने के लिए कहा है, जिससे कि लोगो को योगाभ्यास के बारे में अधिक से अधिक जानकारी हो सके। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी श्री आशु पाण्डे, जिला विकास अधिकारी श्री भोलानाथ कनौजिया, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, आयुर्वेदीक अधिकारी डॉ0 शारदा प्रसाद सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

यमुनानगर में घर में सोते समय मां-बेटी पर धारदार हथियार से हमला, जांच में जुटी पुलिस!

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। यमुनानगर इलाके में खीरी के सेलाई गांव में बुधवार सुबह घर के पिछले हिस्से में सो रही शीला और उसकी 17 साल की बेटी सीमा पर धारदार हथियार से घातक हमला किया गया। सुबह घटना की जानकारी हुई तो पुलिस पहुंच गई और दो घायलों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। इन घायल बेटी सीमा की हालत गले में गहरे घाव से बनी हुई है। मां बेटी पर हमला करने वाली संदिग्ध व्यक्ति बिरादरी हो गई है।

पुलिस ने बताया कि शीला का पति रमेश कुमार पाल गुजरात के सूरत में जॉब करता है। यहां गांव में शीला की बेटी सीमा के साथ रहती है शीला आशा बहू के तौर पर काम कर रही थी। ग्रामीणों ने बताया कि शीला ने पूर्व कोटेदार सुरेश से जान का खतरा होने के कारण 10 जून को थाना दिवस पर शिकायत की थी। कहा था कि पर्यवेक्षक उसे धमकाता है और वह कभी भी उस पर हमला कर सकता है। इसके बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की जिसका नतीजा मां बेटी पर जानलेवा हमले के रूप में सामने आया। अब पुलिस अभियोग की तलाश में संलग्न कर रही है। स्कूटर से पति के आने का इंतजार किया जा रहा है। घायल मा बेटी को खींची से शहर लाकर स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती के लिए आवेदन किया गया है।

एसडीएम ने जनसुनवाई मीटिंग हाल में शुरू की

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। नए एसडीएम ने जब से कार्यभार ग्रहण किया पूर्व अफसरों की भांति अपने कार्यालय में ही जनसुनवाई करके कोर्ट करते रहे। परंतु अधिवक्ताओं एवं आम फरियादियों से उनका कमरा खचाखच भर जाया करता था। जिससे हर कोई अपनी बात ना कहकर वापस चला आता था। आपके पत्रकार महमूद अहमद ने खचाखच भरे हाल का समाचार फोटो सहित लिया और तहसील दिवस हाल में जनसुनवाई का सुझाव दिया। जिसे एसडीएम ने बुधवार से अमल में ला दिया। हाल में

जनसुनवाई करने से तमाम अधिवक्ता गण व आमजन अपनी समस्याओं को उनके सामने सुगमता से रखें और कोई खाली वापस भी ना गया। इस अवसर पर तहसीलदार फूलपुर भी उपस्थित रहे।

अज्ञात कारणों से युवक ने खाया जहर,गंभीर

परिजनों ने 108 नंबर को फोन कर एंबुलेंस से ले गए अस्पताल

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। तहसील के अंतर्गत आने वाले सोनौटी गांव निवासी मंगला प्रसाद जिसकी उम्र 37 वर्ष है। बुधवार को अज्ञात कारणों से लगभग 1 बजे अपने निवास स्थान सोनौटी में जहर खा लिया और जब इसकी जानकारी उसके परिजनों को हुई तो घरवाले उसे आनन-फानन में सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र कोटवा ऐड बनी अस्पताल ले गए। जहां पर चिकित्सकों की टीम के द्वारा बड़ी मशक्कत से उसके शरीर से जहर को बाहर निकाला और लगभग आधे घंटे बाद होश में आया। उसके बाद वहां पर उपस्थित लोगों ने चिकित्सा टीम को उपस्थित लोगों ने आभार प्रकट किया। आपको बता दें उस समय ड्यूटी पर नियुक्त चिकित्सक डॉक्टर राजित राम व फार्मासिस्ट गिरीश मिश्रा की सूझबूझ से व त्वरित इलाज के कारण आज एक गंभीर व्यक्ति की जान बच पाई है। जानकारी देते हुए चिकित्सक डॉक्टर राजित राम ने बताया कि यदि इसे समय से उपचार न किया जाता तो इसे बचा पाना बहुत मुश्किल था। फिरहाल वह अब खतरे से बाहर है।

प्रयागराज में बूंदाबादी, राहत की जगह बढ़ी उमस; तूफान बिपर्जय के कारण देरी से पहुंचेगा मानसून

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। संगम नगरी में बुधवार शाम को विभिन्न जगहों पर हलकी वर्षा हुई। जलती गर्मी और लू से परेशान शहरी बारिश के बाद राहत की आशा कर रहे थे। पर इसके बदले में उन्हें उमस का सामना करना पड़ा।

मौसम विज्ञानियों के आंकलन के अनुसार तूफानी हवाओं के मध्य प्रदेश में प्रवेश करने के दौरान प्रयागराज में हल्की वर्षा हुई है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार तूफान बिपर्जय के कारण यह हवा उत्पन्न हुई। उनके अनुसार बिपर्जन की वजह से मॉनसून को प्रयागराज में पहुंचने में देरी हो सकती है। प्रयागराज में 22 जून तक मानसून पहुंचने की संभावना थी पर तूफान बिपर्जय की वजह से यह 26 या 27 जून तक पहुंचेगा।

मिशन शक्ति नारी सुरक्षा नारी सम्मान नारी स्वावलंब के द्वारा चलाया गया अभियान

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज.मुट्ठीगंज थाना अंतर्गत राजा बारा का हाता, बाबूगंज मंडी, हटिया, आर्य नगर विभिन्न मोहल्लों में महिला जागरूक अभियान में राष्ट्रीय परिवारिक लाभ योजना, मातृ शिशु एवं बालिका मदद योजना, निर्माण कामगार पुत्री विवाह योजना, मेधावी छात्र पुरस्कार योजना, चिकित्सा सहायता योजना, संत रविदास शिक्षा सहायता हेतु छात्रवृत्ति योजना, आवास सहायता योजना मृत्यु एवं विकलांगता सहायता

योजना, अक्षमता पेंशन योजना, अंतिम सहायता योजना, अटल आवास योजना, महात्मा गांधी पेंशन योजना, श्रमिक पंजीकरण हेतु पात्रता एवं प्रक्रिया मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, गरीब परिवार की शादी हेतु अनुदान योजना, वृद्धा अवस्था किसान पेंशन योजना को जनता को अवगत कराया।

मौके पर जानवी गुप्ता शिवानी निशा एडवोकेट ज्योति खुशबू एवं मुहल्ले के समस्त निवासी उपस्थित रहे।

ग्रामीण सफाई कर्मचारी फूलपुर सीएचसी में किये सफाई

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। फूलपुर ब्लॉक के ग्रामीण सफाई कर्मचारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फूलपुर में स्वच्छता

अभियान चलाकर पूरे कैंपस में कूड़ा करकट घास आदि की सफाई में जुटे रहे और 2 दिनों में पूरा कैंपस चमका दिया। इसकी तारीफ हर किसी ने की। बता दें कि जब से बीडीओ एचपी वर्मा ब्लॉक में आए हैं तब से सफाई कर्मियों को ब्लॉक अंतर्गत आने वाली बाजारों में साफ सफाई करने का रोस्टर बना देने से बाजारों की रौनक बढ़ गई। नालिया भी साफ-सुथरी हो गई। इस पहल पर बीडीओ की तारीफ हर कोई करता है।

हमेशा बड़े सपने देखने वालों का भविष्य होता हैं उज्जवल -जिलाधिकारी

आधुनिक समाचार सेवा

मीरजापुर।कलेक्ट्रेट सभागार में मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह आयोजित कर जनपद में हाइस्कूल व इंटरमीडिएण्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व टैबलेट देकर मा0 जन प्रतिनधियों मा0 विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, अध्यक्ष नरग पालिका श्याम सुन्दर केसरी, मा0 सांसद राल्यसभा अरूण सिंह के प्रतिनधि धंनजय पाण्डेय व जिलाधिकारी दिव्या मित्तल द्वारा उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर लोंक भवन लखनऊ में मा0 मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में आयोजित प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम को बड़े स्क्रीन पर सजीव प्रसारण कर छात्रो व उनके अभिभावको को दिखाया

कलेक्ट्रेट में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को जन प्रतिनधियों के द्वारा किया गया सम्मानित

गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुये जिलाधिकारी ने आगे बढ़ने एवं सफलता का मूल मंत्र बताते हुये कहा कि जीवन बड़ा सपने देखने वालो का भविष्य उज्ज्वल होता है उन्होने कहा कि कतिपय छात्र-छात्राओं के मन में प्रतियोगिताओं में हार का डर बना रहता हैं। उन्होने कहा कि हार के डर को अपने मन से हमेशा के लिये निकाले, हार से भी आगे बढ़ने की सीख मिलती हैं। उन्होने कहा कि दो चार बार प्रतियोगिताओं में आने पर एक दिन अवश्य सफलता मिलेगी। उन्होने उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के अभिभावको को भी शुभकानाए देते हुये कहा कि छात्र-छात्राओं विशेषकर बच्चियों को उनके आगे बढ़ने का मार्ग चुनने का अवसर प्रदान करें। उन्हें कभी प्रतिबन्धित कर किसी एक क्षेत्र में जाने के लिये प्रेरित न करे जिस क्षेत्र में जिसकी रूचि हो उसे चुनने का अवसर प्रदान करे तो एक न एक सफलता अवश्य मिलेगी।

विधायक रत्नाकर मिश्र के द्वारा गया कि छात्र-छात्राए हमारे देश प्रदेश के भविष्य है इनके भविष्य को आगे बढ़ने के लिये अभिभावको का सहयोग आवश्यक हैं। उन्होने कहा कि परीक्षाओं में नकल माफियाओं का सामाजिक बहिष्कार किया जाना चाहियें। वर्तमान सरकार के द्वारा भी नकल माफियाओं को चिहिन्त करते हुये कड़ी कार्यवाही की जा रही हैं।

प्रयागराजःआरएएफ़ जवान समेत चार लोग गंगा में समाए, तीन का मिला शव,इससे पहले 6 डूबे थे

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराजः एक दुखद घटना में शिवकुटी थाना क्षेत्र की ओर फाफामऊ घाट पर आर.ए.एफ के जवान व उसके दो बच्चे समेत चार लोग गंगा में नहाते समय बह गये। तीन के शव बरामद कर चौथे की तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार रैपिड एक्शन फोर्स का जवान उमेश अपने बच्चों स्वीटी और विवेक के साथ गंगा स्नान करने गए थे। नहाने के दौरान तेज बहाव में बच्चे बहने लगे । उनको बचाने में उमेश भी गहरे पानी में चला गए और डूब

गए। इसी बीच एक और समानार्थी अभिनव सिंह भी बहाव में वह गए। उनको डूबते देख हड़कम्प मच गया । पुलिसकर्मी को बुलाया गया। गोताखोरों और नाविकों की तलाश से पुलिस ने स्वीटी को छोड़ तीनों का शव बरामद कर लिया। स्वीटी की तलाश जारी है।

विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग व अन्य सहयोगी संस्थाओं के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी द्वारा रक्तदाताओं को प्रदान किया गया प्रशस्ति पत्र

आधुनिक समाचार सेवा

मीरजापुर। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर आज जनपद के सभी सरकार अस्पतालों के अलावा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से विभिन्न स्वास्थ्य संगठनों के द्वारा रक्तदान शिविर

का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य संस्थाओं के द्वारा मुसफ्फरगंज स्थित एक उत्सव वाटिका लान में आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुये कहा कि रक्तदान किसी बीमार व्यक्ति को जीवनदान प्रदान कर सकता हैं। उन्होने कहा कि रक्तदान एक पुनीत कार्य हैं। सभी को रक्तदान करने के प्रति आगे आने के लिये लोगो को प्रेरित करने की आवश्यकता हैं। उन्होने कहा कि रक्तदान से शरीर में कोई दुष्प्रभाव नही करता बल्कि शरीर को नये रक्त प्रदान कर शरीर को स्वस्थ्य बनाता हैं। उन्होने कहा कि जहां पर भी विशेषकर अस्पतालों में पहुंचकर सुरक्षित तरीके से रक्तदान करते हुये लोगो के मूल्य जीवन को बचाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

आधुनिक समाचार सेवा

मिर्जापुर डूमंडगंज थाना क्षेत्र के रीवा-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित भैसोड़ बलाय पहाड़ गांव के पास मंगलवार को सुबह लघुशंका करने उतरे एक यात्री की कार और उसमें बैग में भरकर रखे दो लाख रुपये नकद व आभूषण लेकर चालक फरार हो गया। लघुशंका के बाद गाड़ी नहीं दिखाई देने पर यात्री के होश उड़ गए। पीड़ित ने मंगलवार को देर शाम डूमंडगंज थाने में तहरीर दी।। तहरीर मिलने पर पुलिस मामले की जांच जुट गई है।

मिर्जापुर कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले विकास कार्यक्रमों एवं 50 लाख से अधिक लागत वाली निर्माणाधीन परियोजनाओं में हुई प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में नहीं आने पर जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने सहायक निदेशक मत्स्य, जिला पंचायत राज अधिकारी का एक दिन वेतन रोकने का निर्देश दिया। इनके अलावा सीएलडीएप के अधिशासी अधिकारी ने स्वयं मौजूद होने के बजाय अवर अभियंता को बैठक में भेज दिया था, जो बैठक में कोई जानकारी नहीं दे सके। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए उनसे स्पष्टीकरण मांग लिया।

मिर्जापुर विंध्याचल जिगना रेलवे स्टेशन पर खड़ी पुणे दानापुर एक्सप्रेस से सफर कर रहा 25 वर्षीय युवक ट्रेन रुकने पर प्लेटफार्म नंबर दो की रेल पटरी पर बैठ गया। उसी दौरान आई राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। उसके साथी बाल-बाल बच गए।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
15% Fee Concession
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession

- कम्प्यूटर हार्डवेयर
- डाटा इंट्री ऑपरेटर
- फायर सेफ्टी
- कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
- कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
- इलेक्ट्रीशिन
- सीएनसी प्रोग्रामिंग
- इलेक्ट्रिक मैकेनिक
- बेसिक कम्प्यूटिंग
- सीसीए
- वेल्डर
- फिटर
- रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
- सिक्योरिटी सर्विस

Apply Online: www.nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306,9415608710,8103021873
एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

विश्व रक्तदाता दिवस पर शेखर जननायक हास्पिटल ने निकाली जागरूकता रैली

आधुनिक समाचार सेवा

बलिया।विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जननायक चंद्रशेखर हास्पिटल एंड कैंसर इंस्टीट्यूट द्वारा इब्राहिमपट्टी गांव में रैली निकाली गई।रक्तदान महाकल्याण,रक्तदान कर जीवन बचाएं जैसे उदघोष से इब्राहिमपट्टी गुंजायमान हो उठा। हास्पिटल से अवधुतेश्वर मंदिर होते पूरे गाँव में भ्रमण करते हुए रैली वापस अस्पताल पहुंची।

अपने संदेश में संस्थान निदेशक डा संजय सिंह ने कहा कि एक व्यक्ति का रक्तदान तीन जिंदगियों को जीवन देता है। रक्तदान को लेकर भ्रमित होने की आवश्यकता नहीं। प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में दो बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। डा सिंह ने बताया कि जननायक हास्पिटल में जल्द ही ब्लड बैंक की स्थापना भी हो जाएगी। सभी सुविधाओं को एक छत के नीचे एकत्र कर ग्रामीण

जनमानस का सर्वोत्तम उपचार ही जननायक हास्पिटल का लक्ष्य है। इस दौरान डा शांतनु मल्ल विसेन, प्रशासक पुरुषार्थ सिंह, डा आनंद मोहन सिंह, डा नेहा मौर्या, डा वरुण, रिकू यादव, रोशन, विजय, चंदन, चंदा भारती, आशचतोष सिंह, विमल यादव सहित अस्पताल कर्मचारी उपस्थित रहे।

'एक जनपद एक उत्पाद' कार्यक्रम के अन्तर्गत दिया जायेगा प्रशिक्षण

देवरिया। उपायुक्त उद्योग अभय कुमार सुमन ने बताया है कि उ0प्र0 सरकार द्वारा 'एक जनपद एक उत्पाद' कार्यक्रम के अन्तर्गत दक्षता / कौशल विकास / उद्यमिता विकास प्रशिक्षण व टूलकिट वितरण योजनान्तर्गत प्रशिक्षण योजना लागू की गयी है, जिसमें जनपद देवरिया हेतु चयनित उत्पाद ट्रेडवार सजावटी उत्पाद, कढाई बुनाई सम्बन्धित उत्पाद एवं रेडीमेड गारमेन्ट के लाभार्थियों को प्रशिक्षण के द्वारा उनका कौशल बृद्धि किया जायेगा और प्रशिक्षण उपरान्त टूल किट भी वितरीत किया जायेगा। आवेदन हेतु पात्रता के विवरण में उन्होंने बताया है कि आवेदक जनपद का मूल निवासी हो,आयु न्युनतम 18 वर्ष होनी चाहिये, आवेदक किसी योजना में पूर्व से लाभान्वित नहीं होना चाहिये, परिवार का एक ही सदस्य योजना में पात्र होगा (परिवार का आशय पति एवं पत्नी से है), योजना हेतु जाति एक मात्र आधार नही होगा । आवेदक को प्रधान तथा नगर पंचायत / नगर पालिका के वार्ड मेंबर द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।

राज्यमंत्री नेकेंद्र सरकार एवम प्रदेश सरकार द्वारा किए गए कार्यों को ऐतिहासिक बताया

देवरिया। राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने सलेमपुर में आयोजित आर.एल.एकेडमी में प्रेसवार्ता में कहा कि केंद्र सरकार एवम प्रदेश सरकार द्वारा किए गए कार्यों को ऐतिहासिक बताया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय मानस को आशा, उत्साह, आत्मविश्वास एवं नवाचार से भरने वाले सेवा, सुरक्षा, सुशासन और समग्र विकास के गौरवशाली एवं निर्माणकारी 09 वर्ष पूर्ण हुए। उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार ने अपने 9 साल के कार्यकाल में धारा 377 हटाया ,अयोध्या में मन्दिर का निर्माण जो 22 जनवरी 2024 को पूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि यह नया युग का भारत है।

आज हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहचान विश्व पटल पर है। 2014 से लाल किले से प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत आज शहरों और गांवों में कचरों के लिए प्रबन्ध किया जा रहा है। आज देश मे एक्सप्रेसवे का जाल बिछ रहा है। प्रधानमंत्री के 9 सालों में गरीबो के लिए तमाम योजनाए चलायी जा रही है। प्रधानमंत्री आवास सलेमपुर, मझौलीराज एवम लार में 4000 से अधिक मिला है। सलेमपुर मुख्यमंत्री

विवेकाधीन कोष से विगत 15 महीनों में गरीब जनता के ईलाज हेतु 7 करोड़ रुपये निर्गत हुये। प्रदेश सरकार द्वारा सलेमपुर में बस स्टैण्ड का शिलान्यास जल्द होगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सलेमपुर मिनी डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल की तर्ज पर 100 बेड का अस्पताल बनेगा। 4.84 लाख से हॉस्पिटल पर हेल्थ एटीएम मशीन स्थापित किया गया है। तकिया धरहरा में नदी कटान रोकने हेतु बोल्डर का निर्माण होगा। बच्चों के खेलने हेतु मिनी स्टेडियम निर्माण हेतु प्रस्ताव भेजा गया है। खुखुन्दू में नए विकास खण्ड बनाये जाने हेतु कार्य चल रहा है। परशुराम धाम सोहनाग में सुंदरीकरण का कार्य,खेमादेई में विद्युत सब स्टेशन का निर्माण,बिजली व्यवस्था हेतु हर जगह सौभाग्य योजना के तहत विद्युतीकरण ।

सलेमपुर विधानसभा में अब तक 85 सड़के मनरेगा से बन रही है। रामपुर बुजुर्ग में अमृत सरोवर का निर्माण,अहिरौली लाला में खेल का मैदान स्वीकृति हो गया है। मीडिया प्रभारी अजय दूबे वत्स ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर महासम्पर्क अभियान के तहत प्रेसवार्ता किया गया है जिसमे केन्द्र सरकार एवम प्रदेश सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। उक्त अवसर पर कन्हैया लाल जायसवाल,अशोक पाण्डेय, अमरेश सिंह बबलू,विनय पाण्डेय, अशोक तिवारी,दीपक श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

महिला थाना की पुलिस टीम द्वारा परिवारिक विवाद/मतभेद को समाप्त कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया

आपसी मतभेद/ विवाद को भूल खुशी-खुशी रहने को हुए तैयार

चित्रकूट पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला निर्देशन में सामाजिक रिश्तों को बचाने हेतु किये जा रहे प्रयासों के क्रम में महिला थाना की पुलिस टीम द्वारा परिवारिक आपसी झगड़े को समाप्त कराकर सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया । गुलबिया पत्नी लालजी निवासी ज्ञान भारती स्कूल के पीछे थाना कोतवाली कर्वी जनपद चित्रकूट ने महिला थाना में प्रर्थना पत्र दिया कि उनके पति लालजी पुत्र लक्ष्मीनारायण निवासी पाण्डेय कालोनी थान कोतवाली कर्वी जनपद चित्रकूट उनके साथ लड़ाई-झगडा करते है । थानाध्यक्ष महिला थाना शालिनी सिंह भदौरिया एवं उनकी टीम द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायत

को विस्तारपूर्वक सुनकर समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें महिला थाने पर बुलाया गया तथा दोनो पक्षों को समझाया गया । दोनो पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करने की बात कही गयी । आपसी सुलह होने पर थानाध्यक्ष महिला थाना द्वारा दोनो पक्षों को साथ-साथ आपस में सामन्जस्य बिठाकर एवं परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी तथा यह भी कहा गया कि आपस में तातम्यता बनाकर रहें ।

मानव जीवन मे रक्तदान से बड़ा दुनिया मे कोई महादान नही होता-रामाश्रय पाण्डेय डीआरएम

रक्तदान शिविर की शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक ने स्वयं रक्तदान करके किया

आधुनिक समाचार सेवा

वाराणसी।मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय के दिशा निर्देश पर आज बुधवार को को 'विश्व रक्तदान दिवस' पर पूर्वोत्तर रेलवे के मंडल चिकित्सालय वाराणसी में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 आर जे चौधुरी के संयोजन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रत्येक वर्ष 14 जून को 'विश्व रक्तदान दिवस'

सुरक्षित रक्त की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाना और रक्तदाताओं को सुरक्षित जीवन रक्षक - रक्त को दान करने हेतु प्रोत्साहित करने का कार्य रेलवे हास्पिटल करता आ रहा है।इस अवसर पर मंडल चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान शिविर का औपचारिक शुभारंभ मंडल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा

श्रीमती सुजाता पाण्डेय एवं मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय द्वारा फीता काटकर किया गया।

इस दौरान जन कल्याण हेतु कर्मचारियों को रक्तदान हेतु प्रोत्साहित करने हेतु रक्तदान शिविर की शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय ने स्वयं रक्तदान करके किया।तदुपरांत अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन)ज्ञानेश त्रिपाठी, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर-अनुज वर्मा, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर अलोक केशरवानी, रेलवे सुरक्षा बल के जवानों,रेल यूनियनों के पदाधिकारियों एवं रेलवे कर्मचारियों ने कतारबद्ध होकर रक्तदान किया। रक्तदान के पूर्व इंडियन मेडिकल एसोसिएशन टीम के सदस्यों द्वारा सभी 51 रक्तदाताओं के स्वास्थ्य की जाँच करके उनके पुर्णतः स्वास्थ्य होने की पुष्टि के उपरांत रक्तदान कराया एवं रक्तदान के पश्चात सभी को अल्पाहार एवं फ्रूट जूस दिया गया।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय ने कहाकि शरीर के सुचारू संचालन के लिये खून की आवश्यकता होती है। खून की कमी से व्यक्ति का जीवन खतरे में पड़ सकता है। खून की जरूरत होने पर यदि समय से रक्त की पूर्ति न की जाय तो व्यक्ति की जान भी जा सकती है। खून की कमी को पूरा करके जीवन की रक्षा रक्तदान के जरिये की जा सकती है।इसी कारण लोगों को रक्तदान के लिये जागरूक किया जाता है।ताकि एक स्वस्थ व्यक्ति जरूरतमंद के लिये रक्तदान कर सके जीवन बचा सके।उन्होने कहा कि इस मानव जीवन मे रक्तदान से बड़ा दुनिया मे कोई महादान नही होता।

इस शिविर के संयोजक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0आर0 जे0चौधुरी ने सुरक्षित रक्त की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाई,रक्तदाताओं को सुरक्षित जीवन रक्षक -रक्त को दान करने हेतु प्रोत्साहित करते हुये उनका आभार व्यक्त किया।इसी क्रम में उन्होंने 'विश्व रक्तदाता दिवस' विषय पर रक्तदान से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी दी और रक्तदाताओं को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक(परिचालन)ज्ञानेश त्रिपाठी,मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0आर जे चौधुरी,अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 आर आर सिंह,अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 सुनंदा चतुर्वेदी, अपर मुख्यचिकित्सा अधीक्षक डा0 एस के बरनवाल,वरिष्ठमंडल इंजीनियर-3 अनुज वर्मा, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर अलोक केशरवानी व मंडल चिकित्सालय के चिकित्साधिकारी एवं पैरा मेडिकल स्टाफ उपस्थित थे।

पूर्वोत्तर रेलवे मण्डल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय के जनसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार ने मीडिया को बताया कि रक्तदान शिविर एवं रक्तदान जागरूकता कार्यक्रम का कुशल संचालन एवं रक्तदाताओं को धन्यवाद ज्ञापन अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा सुनंदा चतुर्वेदी ने किया।

रक्तदाता दिवस के शुभ अवसर पर कार्यक्रम का फीता काट कर शुभारंभ किया: डीएम

चित्रकूट। जिला चिकित्सालय में ही अमर उजाला फाउंडेशन द्वारा भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।जिलाधिकारी ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है इसमें कोई कमजोरी नहीं आती है मैं लोगों से अपील करता हूं कि आप लोग अपनी स्वेच्छा से अधिक से अधिक रक्त दान करें ताकि जरूरतमंद लोगों को समय से रक्त मिल सके और इस रक्त से हम किसी व्यक्ति की जान बचा सके। रक्तदाता रक्तदान कर किसी गंभीर रोगी की खुशियां वापस ला सकते हैं। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुधीर शर्मा को निर्देश दिए कि इस रक्त को ब्लड बैंक में एकत्र करें इस रक्त का कोई दुरुपयोग नहीं होना चाहिए जो जरूरतमंद लोग हैं उन्हीं लोगों को ही यह रक्त प्रदान किया जाए उन्होंने ब्लड बैंक का निरीक्षण भी किया, इस अवसर पर जिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी ने कई रक्त दाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किये। इस शिविर में कई महादानियों ने रक्तदान कर एक दूसरे का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुधीर शर्मा, रक्त कोष प्रभारी, वरिष्ठ प्रयोगशाला प्राविधिक, काउंसलर जिला परामर्शदाता रक्तकोश सहित अन्य रक्तदान करने वाले लोग मौजूद रहे।

विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के संबंध में बैठक जिलाधिकारी चैंबर में संपन्न

चित्रकूट। प्राधिकरण की वित्तीय वर्ष 2023 - 24 में अर्जित आय, लंबित आवासीय/ शमन भवन मानचित्र व देवांगना टाउनशिप के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। जिला अधिकारी ने जनपद के नगरीय क्षेत्रों के सभी जनता से अपील की है कि अपने भवनों का निर्माण सरकार की गाइड लाइन के अनुसार मानचित्र के आधार पर कराएं। उन्होंने कहा कि मानचित्र के आधार पर कराने से आपको किसी प्रकार की समस्या बाद में नहीं होगी। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक वंदिता श्रीवास्तव,नायब तहसीलदार कर्वी रामानन्द मिश्रा सहित चित्रकूट क्षेत्र विकास प्राधिकरण के संबंधित अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

मोदी सरकार ने महिलाओं तक सीधे पहुचाया लाभ-आराधना

देवरिया।भटनी मंडल के बेहरा डाबर में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा प्रबुद्ध महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में महिलाओं के स्वावलंबन हेतु आत्मनिर्भर बनने के लिए जानकारियां दी गयी तथा मोदी सरकार द्वारा 9 साल में महिलाओं के लिये किये गये कार्यो को विकास कार्यो को बताया गया। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुये मुख्य वक्ता भाजपा महिला मोर्चा की मीडिया प्रभारी आराधना पाण्डेय ने कहा कि महिलाओं के उत्थान हेतु भाजपा की सरकार ने बहुत सी योजनाओं को चला महिलाओं को लाभ दिया है।जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला गैस योजना, मातृत्व लाभ

योजना, अन्नपूर्णा योजना, सुमंगला योजना, सुकन्या योजना, सौभाग्य योजना, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ योजना, महिलाओं के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाओं को चलाकर महिलाओं को सीधे लाभ देने का काम किया है।आज मोदी सरकार के कार्यो की वजह से महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। सरिता पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार ने महिलाओं के लिये जितने काम किये है उतने काम आज तक किसी अन्य दलों की सरकारों ने आज तक नही किया। किरण शर्मा ने महिलाओं को स्वावलंबी कैसे बना जा सकता है इसके बारे में बताया। अध्यक्षता पूनम तिवारी ने तथा आशा ओझा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान मुन्नी तिवारी,सुमित मिश्रा,इंदु यादव, शकुंतला यादव, मालती शर्मा, किरण,सुनीता कुशवाहा,सुभावती देवी, राधिका देवी, सुनैना , सविता शर्मा, सुमित्रा देवी ,पूनम आदि उपस्थित रहे।

विश्व रक्तदाता दिवस पर 12 लोगों ने किया रक्तदान

उत्सव ट्रस्ट द्वारा सी0आई0एस0एफ0 यूनिट पिपरी (सोनभद्र) कैंपस में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। उत्सव ट्रस्ट द्वारा विश्व रक्तदाता दिवस पर बुधवार को सी0आई0एस0एफ0 यूनिट पिपरी (सोनभद्र) के सहयोग से आयोजित स्वैक्षिक रक्तदान के कार्यक्रम का शुभारंभ

रक्तदान करने वालों को दिया गया प्रमाण पत्र

सी0आई0एस0एफ0 यूनिट पिपरी (सोनभद्र) के डिप्टी कमांडेंट मुकेश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर व फीता काट कर किया शिविर में कुल 25 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया एवं 12 लोगों ने रक्तदान किया। जिन्हें प्रमाण पत्र दिया गया।

उत्सव ट्रस्ट के ट्रस्टी एडवोकेट आशीष पाठक ने बताया कि रक्तदान करने वालों में संजय कुमार, राकेश कुमार, पी0के0 सिंह, घनश्याम शाह, काला जनार्दन, डी0के0 सैनी, प्रदीप राजक, पी0एल0 कुशुमार, अतुल राज, सब्य ज्योति दास, जे0 रामानी व पी0 व्यंकटेश शामिल रहे। सीआईएसएफ के जवानों ने रक्तदान महादान और रक्तदान करके देखिए अच्छा लगता है के संदेश के साथ रक्तदान जैसा पुनीत कार्य कर समाज में एक बेहद ही आवश्यक संदेश प्रसारित किया। तमाम लोग जो कि स्वस्थ हैं और रक्तदान कर सकते हैं परंतु वह भयवश रक्तदान नहीं करते। ऐसे लोगों के लिए सी0आई0एस0एफ0 के जवानों की प्रेरणा उन्हें अवश्य ही जागरूक करेगी।

उन्होंने यह भी बताया कि शिविर हेतु मंडलीय चिकित्सालय मीरजापुर से ब्लड कलेक्शन व ट्रांसपोर्टेशन वैन भी मंगाई गई थी परंतु खराब होने की वजह से न आ सकी। वैन न आने के कारण सी0आई0एस0एफ0 के जवानों को खुले मैदान में पेड़ के नीचे फोल्डिंग बिछा कर रक्तदान करना पड़ा। विभागीय अकर्मण्यता व भ्रष्टाचार के चलते सरकार द्वारा मंडली चिकित्सालय मिर्जापुर को उपलब्ध कराई गई वैन अक्सर खराब ही रहती है और रक्तदान करने वालों को तमाम तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लाखों रुपयों की वैन और उस पर रखे गए कर्मचारियों की सैलरी और मेंटेनेंस पर सालाना लाखों रूपये का खर्च सब बेकार चला जाता है जब उसकी जरूरत हो और वह समय पर उपलब्ध ना हों। यह स्थिति तब तक बनी रहेंगी जब तक की जनपद सोनभद्र में

इस प्रकार की वैन की व्यवस्था ना हो जाए। जिला संयुक्त चिकित्सालय सोनभद्र के ब्लड बैंक प्रभारी नियाज सिद्धिकी व उनकी टीम द्वारा सभी रक्तदानियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में उत्सव ट्रस्ट के रक्तदान विभाग के सह निदेशक वतन गुप्ता ने ब्लड बैंक प्रभारी डॉ नियाज सिद्धिकी व उनकी टीम के साथ उपस्थित रह कर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा थाना चुनार का वार्षिक निरीक्षण कर सम्बन्धित को दिया गया आवश्यक दिशा निर्देश

आधुनिक समाचार सेवा

मिर्जापुर। पुलिस अधीक्षक मीरजापुर 'संतोष कुमार मिश्रा' द्वारा थाना चुनार का वार्षिक निरीक्षण किया गया । पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा सर्वप्रथम सलामी में लगी गार्द का मान-प्रणाम ग्रहण कर सलामी गार्द का निरीक्षण किया गया । इस दौरान थाना कार्यालय, परिसर, बैरक व मेस आदि का भ्रमण कर परिसर में माल मुकदमाती वाहनों के रख-रखाव एवं परिसर की साफ-सफाई सहित अन्य बिन्दुओं पर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया तथा कार्यालय भ्रमण के दौरान सीसीटीएनएस कक्ष, साइबर/महिला हेल्प डेस्क, जन-सुनवाई डेस्क आदि का निरीक्षण कर उपकरणों एवं अभिलेखों के सही रख-रखाव तथा आने वाले फरियादियों के साथ विनम्र व सद्व्यवहार कर उनकी समस्याओं को सुनकर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करायें जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । थाना कार्यालय निरीक्षण के दौरान विभिन्न रजिस्टरों एवं महत्वपूर्ण अभिलेखों का गहनता से अवलोकन करते हुए अभिलेखों के अद्यावधिक रखने एवं उचित रखरखाव के निर्देश दिए गये । थाना कार्यालय, परिसर, मालखान व शस्त्रागार सहित विभिन्न अभिलेखों का निरीक्षण करने के उपरान्त पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा सैनिक सम्मेलन कर उपस्थित पुलिसकर्मियों की समस्याओं को सुनकर त्वरित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देश दिये गये तथा पुलिसकर्मियों को आवंटित क्षेत्र

सम्बन्धित बीट बुक को चेक कर किया गया तथा पुलिस कर्मियों से प्रश्नोत्तरी कर उनकी क्षेत्र तथा पुलिसिंग के सम्बन्ध जानकारी की गयी । थाना चुनार पर नियुक्त ग्राम प्रहरियों की गोष्ठी कर उन्हें उनके कर्तव्यों एवं दायित्वों के प्रति जागरूक करते हुए ग्राम प्रहरियों को प्रोत्साहित करते हुए पुरस्कृत किया गया । तत्पश्चात् जनप्रतिनिधि एवं थाना चुनार क्षेत्र के संभ्रान्त व गणमान्य लोगो के साथ गोष्ठी कर उनकी समस्याओं को सुना गया तथा पुलिस के हर सम्भव सहयोग हेतु आश्वस्त किया गया तथा समस्याओं के निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित भी किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी चुनार, प्रभारी निरीक्षक थाना चुनार सहित पुलिस के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहें ।

लव जिहाद पर बने कठोर कानून फांसी की सजा हो- करुणेश

गोरखपुर। लव जिहाद जैसे मामलों में दस साल की सजा कम है इसके लिए आरोपियों को फांसी या उम्रकैद की सजा मिलनी चाहिए उक्त मांग अखिल भारतीय ब्राह्मण जनकल्याण समिति के राष्ट्रीय महामंत्री करुणेश पांडेय ने लव जिहाद पर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्रक भेजकर की है। उन्होने कहा की सोची समझी साजिश के तहत देश के विभिन्न हिस्सों में नाम बदलकर एवं हिंदू पहचान बताकर हिंदू लड़कियों को निशाना बनाया जा रहा है और उनकी बर्बरता से हत्या की जा रही है लव जिहाद के लिए बड़े स्तर पर फंडिंग होती है जिस प्रकार आतंक को बढ़ावा देने के लिए फंडिंग होती है उसी प्रकार लव जिहाद को बढ़ावा देने के लिए भी फंडिंग होती है यह एक बड़ा षड्यंत्र है जिसकी जांच होनी चाहिए। श्री पांडेय ने कहा की हिंदू कन्याओं को विधार्मियों पर भरोसा करने से बाज आना होगा वरना अंत आफताब व श्रद्धा की तरह होना तय है, उन्होने संगठन के पदाधिकारियों को निर्देशित किया है की वह गांव - कस्बों में चौपाल लगाकर हिंदू कन्याओं को लव जिहाद के प्रति जागरूक करें ।

चार सगे भाइयों को 7-7 वर्ष की कैद, 11- 11 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

17 वर्ष पूर्व महावीर को जान मारने के आशय से लाठी डंडा से मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाने का था आरोप

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। 17 वर्ष पूर्व महावीर को जान मारने के आशय से लाठी डंडा से मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में बुधवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम खलीकुज्जमा की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर चार सगे भाइयों को 7- 7 वर्ष की कैद व 11- 11 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के झापी टोला गोहड़ा गांव निवासी रामजी यादव पुत्र मोहर यादव ने दुद्धी थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसके सगे मामा महावीर यादव व सगे मामा रामवृक्ष यादव के परिवार के बीच पारिवारिक विवाद काफी दिनों से चला आ रहा है। इसी वजह से महावीर से रामवृक्ष के लड़के रंजिश रखते हैं। 30 मार्च 2006 को सुबह 9 बजे जब दो साइकिल से महावीर व उनका बेटा शिवनाथ के साथ आ रहा था कि रास्ते में महावीर के घर से थोड़ा आगे आने पर पहले से घात लगाकर छिपे हुए बालरूप यादव, भागवत यादव, शिवप्रसाद यादव व अयोध्या यादव पुत्रगण रामवृक्ष यादव तथा रामवृक्ष यादव पुत्र लहुरमन निवासीगण घुमा टोला झनकपुर, थाना बभनी, जिला सोनभद्र ने लाठी डंडा व कुल्हाड़ी से लैश होकर मामा महावीर के साथ ही उसे घेर लिया और मारने पीटने लगे। इस दौरान वह गिर गया और मामा महावीर यादव को जान मारने के आशय से मारते हुए गाली देते हुए जंगल की ओर लेकर चले गए। घटना को कई लोगों ने देखा। इस तहरीर पर बालरूप यादव, भागवत यादव, शिवप्रसाद यादव व अयोध्या यादव तथा रामवृक्ष यादव के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना की गई। मामले की विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने न्यायालय में पांच लोगों के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल किया था। जिसमें दौरान विचारण रामवृक्ष यादव की मौत हो गई। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर चार दोषियों बालरूप यादव, भागवत यादव, शिवप्रसाद यादव व अयोध्या यादव को 7- 7 वर्ष की कैद व 11- 11 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता कुंवर वीर प्रताप सिंह ने बहस की।

एनटीपीसी सिंगरौली में आयोजित बालिका सशक्तीकरण कार्यक्रम से सशक्त हुई बालिकाएँ

आधुनिक समाचार सेवा

एनटीपीसी सिंगरौली। शक्तिनगर में बालिका सशक्तीकरण मिशन (जेम)-2023 का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पधारे श्रीमती वाणी बाबू वी, वरिष्ठ सदस्या, संयुक्ता महिला समिति, नई दिल्ली, श्री प्रवीण सक्सेना, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (उत्तर क्षेत्र), श्री अरिंदम सिन्हा, कार्यकारी निदेशक (ऑपरेशन सेवाएं), डॉ नीलम सक्सेना, अध्यक्षा, उत्तरा महिला मण्डल, लखनऊ, श्री ई फणी कुमार, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी विंध्याचल , श्री राजीव अकोटकर, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी सिंगरौली, श्रीमती रूपाली सिन्हा ,वरिष्ठ सदस्या, अर्तिका महिला मण्डल, श्री एस के घोष-मुख्य महाप्रबंधक(प्रचालन सेवाएँ), श्री के.सुजय नायक-महाप्रबंधक(प्रचालन सेवाएँ), श्रीमती अनुपमा श्रीवास्तव, सचिव-संयुक्ता महिला समिति, श्रीमती सरोजा फणी कुमार, अध्यक्षा सुहासिनी संघ, श्रीमती पीयूषा अकोटकर, अध्यक्षा, वनिता समाज एवं अन्य गण्यमान्य अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। तदुपरान्त मुख्य अतिथियों एवं अन्य गण्यमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया एवं एनटीपीसी गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में सभी बालिकाओं ने एक महीने के आवासीय कार्यक्रम के दौरान सीखे गए कला-कौशल का मंत्रमुग्ध प्रदर्शन किया। उन्होंने 'नए भारत का चेहरा', 'आदियोगी नृत्य', 'आरंभ है प्रचंड है', पर्यावरण विषयक नाटक, रेंप वॉक, 'हौसलों की उड़ान' जैसे विभिन्न सामाजिक विषयों पर प्रस्तुतीकरण किया।

श्री राजीव अकोटकर, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी सिंगरौली, ने अवगत कराया कि बालिका सशक्तीकरण मिशन-2023 विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से बालिकाओं के ज्ञान, कौशल और समग्र व्यक्तित्व विकास को बढ़ाने हेतु एक महीने का आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसके तहत आत्मरक्षा प्रशिक्षण, पेंटिंग, स्केचिंग, कला-कौशल, सॉफ्ट स्किल्स, स्वास्थ्य और स्वच्छता, कंप्यूटर प्रशिक्षण आदि प्रदान किए गए। इस एक महीने का प्रशिक्षण मॉड्यूल 105 बालिकाओं के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था ।

इस अवसर पर श्री राजीव अकोटकर, परियोजना प्रमुख ने बताया कि बालिकाओं हेतु आवासीय सुरक्षा व्यवस्था सुदृद की गयी थी । सुरक्षा व्यवस्था के लिए एनटीपीसी कर्मी, निजी सुरक्षा कर्मी, सीआईएसएफ़ सुरक्षा कर्मी, महिला केयरटेकर्स तैनात किए गए थे तथा सीसीटीवी के माध्यम से 24 घंटे निगरानी रखी गयी थी। एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा बालिकाओं के पोषण से लेकर समग्र शिक्षा, आत्मरक्षा, चिकित्सीय सहायता, स्वादिष्ट भोजन, खेल-कूद, मनोरंजन सहित सभी जरूरतों का ख्याल रखा गया।

मुख्य अतिथि श्री प्रवीण सक्सेना ने अपने उद्बोधन में ग्रामीण क्षेत्र की वंचित बालिकाओं को सशक्त बनाने हेतु कार्यक्रम आयोजन के लिए एनटीपीसी सिंगरौली को बधाई दी। उन्होंने अभिभावकों को इन बालिकाओं को शिक्षित करने एवं एक महीने के इस आवासीय कार्यक्रम के लिए एनटीपीसी सिंगरौली पर भरोसा करने हेतु धन्यवाद दिया। उन्होंने बालिकाओं की मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से विभिन्न सामाजिक, देशभक्ति और पर्यावरण संदेश देने के लिए बालिकाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि जैसे एनटीपीसी की बिजली पूरे देश भर को रोशन कर रही है, वैसे ही ये बालिकाएँ भी एनटीपीसी के माध्यम से पूरे देश को रोशन करेंगी।

इस अवसर पर श्रीमती वाणी बाबू, श्री प्रवीण सक्सेना , डॉ नीलम सक्सेना , श्री अरिंदम सिन्हा, श्रीमती रूपाली सिन्हा, श्री राजीव अकोटकर, श्रीमती पीयूषा अकोटकर, एवं अन्य अतिथियों द्वारा एनटीपीसी सिंगरौली के पूर्व बैच की विवेकानंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत 29 बालिकाओं को वनिता समाज द्वारा साइकिल वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर श्री एस के गुजरानिया, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), डॉ एस के खरे, महाप्रबंधक (चिकित्सा सेवाएं), श्री एलके बेहरा, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट), श्री एके सिंह, महाप्रबंधक (प्रचालन), श्री अमरीक सिंह भोगल, महाप्रबंधक (अनुरक्षण), श्री प्रबोध कुमार, महाप्रबंधक (ईंधन प्रबंधन), श्री देब्रत कर, महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएं), श्री जोसफ बास्टियन, महाप्रबंधक (एडीएम), वरिष्ठ अधिकारिगण, वनिता समाज की सदस्याएं, यूनियन एवं एसोसिएशन के मानद प्रतिनिधिगण, पत्रकार बंधु, जेम बालिकाएँ एवं उनके अभिभावकगण आदि उपस्थित रहें।

अनियंत्रित होकर बाइक से गिरा दो घायल

आधुनिक समाचार सेवा

डाला सोनभद्र-स्थानीय डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के चुड़ी गली में बाइक सवार अनियंत्रित होकर पलट हुए दो घायल प्राप्त जानकारी के

मुताबिक बुधवार सुबह को डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के चुड़ी गली डाला में सोनू सिंह 35 वर्ष पुत्र स्वर्गीय हीरालाल ,संजय सिंह उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र हिरालाल निवासी चूड़ी गली डाला अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो गए जिसके उपरांत स्थानीय लोगों के द्वारा एंबुलेंस से दोनों घायलों को चोपन अस्पताल भेजवाया गया जहां पर चिकित्सकों ने स्थित नाजुक देखते हुए वाराणसी रेफर के लिए कर दिया।

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने सिविल लाईन में 17.01करोड की लागत से निर्माणाधीन 60 शैय्यायुक्त भैरो प्रसाद ट्रस्ट बहुखण्डीय नेत्र चिकित्सालय का किया निरीक्षण। अस्पताल के मुख्य भवन, रोगी आवास भवन, बाउंड्रीवाल एवं आवासीय भवन के कार्य प्रगति की ली जानकारी। **(आधुनिक समाचार सेवा)**

बांदा में एक दोहरे हत्या कांड की सनसनीखेज वारदात सामने आई

आधुनिक समाचार सेवा

बांदा। एक दोहरे हत्या कांड की सनसनीखेज वारदात सामने आई है जहां पर घर में सो रहे पति-पत्नी की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर निर्मम हत्या के बाद से इलाके में सनसनी फैली हुई है स्थानीय लोगों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है आशंका जताई जा रही है पुलिस के मुताबिक ससुर ने बहू और बेटे की हत्या की है आपको बता दें पूरा मामला बांदा जनपद के नरैनी कोतवाली क्षेत्र के बरसड़ा मानपुर से सामने आया है जहां पर संदिग्ध परिस्थितियों में चारपाई में पति-पत्नी के शव धारदार हथियार से

कटे हुए मिले हैं शव को देख इलाके में सनसनी फैल गई है स्थानीय लोगों की सूचना के बाद मौके पर एसपी अभिनंदन भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे हैं डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम की मदद से पूरे मामले की जांच की जा रही है एसपी अभिनंदन की माने तो सुरवाती जांच मे जमीनी विवाद को लेकर के हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है प्रतक युवक का पिता अपनी खुद की जमीन बेचना चाह रहा था जिसका बेटा विरोध और बहू विरोध कर रही थी इसके बाद हत्या की इस वारदात को अंजाम दे दिया गया है फिलहाल पुलिस ने दोनों शव कब्जे में लेकर के पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया है और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

चोरी के सामान के साथ तीन अभियुक्त गिरफ्तार

आधुनिक समाचार सेवा

डाला सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत डाला पुलिस ने मुखबिर के सूचना पर बुधवार की सुबह छः बजे के करीब महाबीर बंशल उर्फ कल्लू उम्र लगभग 19 वर्ष पुत्र राजनरायन, हनुमान बंशल उम्र लगभग 33 वर्ष पुत्र गांधी बंशल, मुरारी उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र स्व रामखेलावन निवासी मलीन बस्ती डाला को सेक्टर सी दूरभाष केंद्र के पास 07 टुकड़ा लोहे का गाटर के साथ गिरफ्तार कर लिया गया जिसके उपरांत तीनों अभियुक्तों को

थाना चोपन पर मु0अ0सं0-114/2023 धारा- 414,411 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर माननीय न्यायालय के समक्ष वास्ते रिमाण्ड हेतु भेजा जा रहा है। विवेचना प्रचलित है। इस दौरान राजेश प्रताप सिंह, का0 आनन्द कुमार गौड़,? का0 आरक्षी सत्यप्रकाश चौकी डाला, थाना चोपन 4-का0 आरक्षी रंजीत सरोज शामिल रहे हैं।

रक्तदान जरूरतमंदों के लिए बनेगा वरदान - जे.पी. त्रिपाठी

फतेहपुर। विश्व रक्तदाता दिवस पर शहर के शांति नगर स्थित आभा मेडिकल सेंटर एवं ब्लड बैंक में बुधवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया और रक्तदान किया। इस अवसर पर आभा मेडिकल सेंटर एवं ब्लड बैंक के प्रबंधक भूतपूर्व चिकित्सा अधिकारी डॉ जे0पी0 त्रिपाठी के दिशा निर्देशन में स्वैच्छिक रक्तदान हुआ। उन्होंने बताया कि शिविर में एक दर्जन लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया जिसमे 6 लोगों ने रक्तदान किया है।

डाला मानक के विपरीत कार्य पर भड़की सभासद

आधुनिक समाचार

डाला सोनभद्र -। नगर पंचायत डाला बाजार में डूडा द्वारा निर्माण हो रहा नाली बनने से पहले ही भ्रस्टाचार की भेंट चढ़ गया। जिसका जिम्मेदारों में विरोध किया नगर पंचायत के वार्ड नंबर 8 में डूडा द्वारा नाली का निर्माणकराया जा रहा है। जहां मानक के विपरीत मटेरियल देख वार्ड के सदस्य ने विरोध कर दिया वही बताया कि मौके पर कोई साइन बोर्ड नही लगा है जिससे यह पता चल सके कि मानक क्या है व कितनी लागत से बनाना है। इस सम्बंध में 8 नम्बर वार्ड के सभासद आशा देवी ने नगर पंचायत अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी को लिखित पत्रक देकर अवगत कराया कि ऐसी मनमानी नही करने दिया जाएगा।

भारत का चीन को मुंहतोड़ जवाब! चीन के एलएसी के पास शुरू करने जा रहा मेगा हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट,इतनी आएगी लागत

बीजिंग। चीन के बॉर्डर पर भारत एक मेगा हाइड्रोपावर प्रजोक्ट शुरू करने जा रहा है। ये परियोजना बड़ी मात्रा में बिजली का उत्पादन करने में मदद करेगी। इतने दिनों तक

भारत की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना

अहसहमित की वजह से इस मेगा प्रोजेक्ट का काम अटका रहा। लेकिन अब ड्रैगन की बढ़ती चुनौतियों के बीच भारत चीन बॉर्डर पर देश का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा है। इसे देश के ऊर्जा परिवर्तन में एक महत्वपूर्ण कदम बताा जा रहा है। राज्य द्वारा संचालित जलविद्युत कंपनी एनएचपीसी लिमिटेड देश के पूर्वोत्तर में असम और अरुणाचल प्रदेश राज्यों के माध्यम से चलने वाली सुबनसिरी लोअर परियोजना के लिए जुलाई में ट्रायल रन शुरू करेगी। वित्त निदेशक राजेंद्र प्रसाद गोयल के मुताबिक, पहली इकाई के दिसंबर में चालू होने की उम्मीद है।

2880 मेगावाट की ये प्रोजेक्ट अरुणाचल प्रदेश के दिबांग जिले में दिबांग नदी पर बनाया जाएगा। ये परियोजना भारत को पानी में बड़ी मात्रा में बिजली का उत्पादन करने में मदद करेगी, जो स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों पर स्विच करने की उनकी योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। फरवरी महीने में ही एनएचपीसी लिमिटेड ने जानाकीर देते हुए बताया था कि आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने अरुणाचल प्रदेश में अपनी 2,880 मेगावाट की दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना के लिए पूर्व-निवेश गतिविधियों के लिए 1,600 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दे दी।

वित्त निदेशक ने कहा कि 2024 के अंत तक सभी आठ इकाइयां चालू हो जाएंगी। पनबिजली, बिजली की मांग में उतार-चढ़ाव का तुरंत जवाब देने की क्षमता के साथ, ग्रिड को संतुलित करने के लिए महत्वपूर्ण रूप से देखा जा रहा है। हालाँकि, 2003 में शुरू हुई 2-गीगावाट परियोजना विरोध और मुकदमेबाजी के कारण विलंबित हुई, जो पर्यावरण की क्षति पर चिंताओं से प्रेरित थी।

परियोजना की लागत बढ़कर 212.5 बिलियन (ञ 2.6 बिलियन) हो गई, जो मूल अनुमान से तीन गुना अधिक है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने आठ साल के निलंबन के बाद 2019 में काम फिर से शुरू करने की अनुमति दी। बांधों के विरोध ने देश को 145 गीगावाट की जलविद्युत क्षमता का बमुश्किल एक तिहाई दोहन करने तक सीमित कर दिया है। हमें जलविद्युत परियोजना का निर्माण शुरू करने से पहले विभिन्न विभागों से लगभग 40 अनुमोदन प्राप्त करने की आवश्यकता है। इस स्तर पर सभी जांच की जानी चाहिए, 'गोयल ने कहा। 'निर्माण शुरू होने के बाद कोई भी रुकावट समस्याग्रस्त है।

हॉकी में उत्तम की सफलता का राज कभी हार नहीं मानने का जज्बा

बेंगलुरू। भारतीय जूनियर हॉकी टीम के कप्तान उत्तम सिंह ने प्रतिकूल परिस्थितियों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने वर्षों की उपेक्षा तथा गरीबी को झेलने के बावजूद उम्मीद नहीं छोड़ी और अंत में चमके तथा अपने माता-पिता के चेहरे पर मुस्कान लाए। एक साधारण परिवार में जन्मे उत्तम उत्तर प्रदेश के करमपुर जिले में पले-बढ़े और फिर खेल के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए लुधियाना हॉकी अकादमी पहुंचे। उत्तम ने हॉकी इंडिया की पॉडकास्ट श्रृंखला 'हॉकी ते चर्चा' में कहा, ''मेरा परिवार 2019 तक मिट्टी से बने घर में रहा करता था, हम एक बहुत ही सामान्य जीवन जीते थे और जब मैं छात्रावास गया तब मुझे अपने छात्रावास के कमरे में पंखा और कूलर रखने का मौका मिला था।'' जूनियर एशिया कप विजेता भारतीय टीम के कप्तान ने कहा, ''मेरे माता-पिता ऐसी किसी सुविधा के बिना सोते थे और यह मुझे अच्छा नहीं लगता था। मैं चाहता था कि मेरे माता-पिता को भी सबसे अच्छी सुविधाएं मिले और मुझे पता था कि हॉकी में करियर मेरी किस्मत बदल सकता है।''

उन्होंने कहा, '' एक समय मुझे लगा कि जैसे मैंने हॉकी से जुड़े रहने का गलत फैसला किया क्योंकि एक दशक तक हॉकी खेलने के बाद भी मुझे जूनियर टीम में नहीं चुना गया।'' उत्तम ने कहा, ''लेकिन मैं अपने माता-पिता

की खातिर कभी निराश नहीं हुआ, मुझे बस इतना करना था कि अगले राष्ट्रीय खेलों में बेहतर प्रदर्शन करना था।'' उत्तम ने आखिरकार हॉकी इंडिया राष्ट्रीय चैंपियनशिप में एयर इंडिया के लिए अपने प्रदर्शन के दम पर 2019 में भारतीय जूनियर पुरुष टीम में प्रवेश किया और तब से उनकी अगुआई में टीम सुल्तान ऑफ जोहोर कप और हाल ही में जूनियर पुरुष एशिया कप में शीर्ष पर रही। एशिया कप मिशन पूरा होने के बाद उत्तम की नजरें अब पांच से 16 दिसंबर तक कुआलालंपुर में होने वाले जूनियर विश्व कप पर टिकी हैं।

उत्तम ने कहा, ''हमारे कोच का कहना है कि वह चाहते हैं कि जीत हमारी आदत बन जाए, सुल्तान ऑफ जोहोर कप और जूनियर एशिया कप की जीत के बाद भी हमारा अच्छा प्रदर्शन जारी रहे, हमारा पूरा ध्यान अब जूनियर विश्व कप पर है।'' उन्होंने कहा, ''जूनियर विश्व कप में जीतने की हमारी उम्मीदें वास्तविक हैं, यह हमारे पिछले प्रदर्शनों पर आधारित हैं। हम सीनियर पुरुष हॉकी टीम के साथ भी नियमित रूप से खेलते हैं और मैच अक्सर करीबी होते हैं इसलिए हम जानते हैं कि क्षमता है। हमें खुद को निखारने और उम्मीदों पर खरा उतरने की जरूरत है।

लंबे अर्से बाद हो रहे विश्व कप में भारत ने हांगकांग को 4-0 से हराकर हासिल की बड़ी जीत

चेन्नई। इन दिनों एसडीएटी डब्ल्यूएसएफ स्क्वाश विश्व कप का आयोजन किया जा रहा है। इस विश्व कप में भारतीय टीम ने जीत के साथ आगाज किया है। मेजबान देश भारत को इस टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता मिली हुई है। भारत ने मंगलवार 13 जून को खेले गए विश्व कप के पूल बी मुकाबले में हांगकांग-चीन को 4-0 से हराकर जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ भारत के लिए टूर्नामेंट का शानदार आगाज हुआ है।

इस टूर्नामेंट के लिए घोषाल और जोशना भारत की चार सदस्यीय टीम का हिस्सा है। उनके अलावा अभय सिंह और तन्वी खन्ना भी टीम में शामिल है। वहीं हांगकांग को हारने के बाद अब भारतीय टीम को चीन, दक्षिण अफ्रीका और जापान से भिड़ना होगा। पूल बी में बुधवार को भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा।

वहीं भारत के लिए इस

मुकाबले में अभय सिंह ने शानदार खेल दिखाया। अभय सिंह ने चुंग यात लोंग को 7-2, 7-3, 7-6 से मात दी। इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम को विजयी आगाज मिला है। उनके अलावा अनुभवी जोशना चिनप्पा ने हेली फुंग को महज 20 मिनट में 7-1, 7-5, 7-6 से हराकर भारत को 2-0 से आगे किया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया को मिस्र ने मात दी थी। शीर्ष वरीयता प्राप्त मिस्र ने ऑस्ट्रेलिया को 4-0 से मात दी थी। अभय सिंह ने मुकाबले के बाद कहा, ''मैं शुरुआत में थोड़ा नर्वस था। यहां काफी दर्शक थे, आप स्वदेश में खेल रहे हैं और आप अच्छी शुरुआत करना चाहते हैं। मुझे लगता है कि मैंने बहुत अच्छा किया और मैं इससे खुश हूं।'' सौरव घोषाल ने भारत को 3-0 से आगे किया जब उन्होंने टो यू लिंग के खिलाफ पहला गेम 5-7 से गंवाने के बाद अगले तीन गेम 7-2, 7-5, 7-1 से जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। चौथे और अंतिम मैच में तन्वी खन्ना ने पहले दो गेम गंवाने के बाद मजबूत वापसी करते हुए से यी लाम टोबी को 26 मिनट में 5-7, 6-7, 7-1, 7-4, 7-3 से हराकर भारत की 4-0 से जीत सुनिश्चित की।

बता दें कि इससे पहले स्क्वाश विश्व कप का आयोजन वर्ष 2011 में हुआ था। ये टूर्नामेंट भी चेन्नई में खेला गया था। इसके बाद 12 वर्षों तक इस टूर्नामेंट का आयोजन नहीं हुआ था। अब इस वर्ष फिर इसकी शुरुआत हुई है।

आइएसएल टीम एफसी गोवा ने उदांता सिंह के साथ कई साल का करार किया

मडगांव। भारतीय विंगर उदांता सिंह ने इंडियन सुपर लीग फुटबॉल टीम एफसी गोवा के साथ कई साल का करार किया है। क्लब ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। उदांता के आने से एफसी गोवा को मजबूती मिलेगी जिसने हाल ही में 2023-24 सत्र से पहले भारतीय राष्ट्रीय टीम के उनके साथी स्टार खिलाड़ी रॉलिन बोर्गेस को भी उधार पर अपने साथ जोड़ा है। उदांता ने क्लब की ओर से जारी बयान में कहा, ''एफसी गोवा का हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैंने हमेशा गोवा के खेलने के तरीके की प्रशंसा की है। जब भी हम गोवा से खेल रहे होते थे तो अतिरिक्त प्रयास करने पड़ते थे।

भारत-अमेरिका जैसी भागीदारी और देखने को नहीं मिलेगी : संधू

वॉशिंगटन। भारत-अमेरिका संबंधों को भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने एक ऐसी भागीदारी बताया है, जो और देखने को नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास आवश्यक पूंजी और प्रौद्योगिकी है जबकि भारत के पास पैमाना और प्रतिभा दोनों है, जिसकी वजह से कोई भी इनपर दांव लगा सकता है। संधू ने अमेरिका भारत व्यापार परिषद के सालाना भारत विचार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''भारत-अमेरिका संबंधों के लिए एक 'टैगलाइन', जो मुझे सबसे अधिक पसंद है, वह है 'ऐसी भागीदारी, जो और देखने को नहीं मिलेगी।' आप सोच सकते हैं कि अच्छे राजनयिक हर रिश्ते के बारे

में यही कहते हैं। मेरा विश्वास करें: यह अद्वितीय है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास आवश्यक पूंजी और प्रौद्योगिकी है, जबकि हम पैमाने और प्रतिभा दोनों की पेशकश करते हैं। यह ऐसा 'स्टॉक' है जिसपर कोई भी दांव लगा सकता है। पिछले छह महीनों में द्विपक्षीय गतिविधियों में काफी सुगबुगाहट रही है। संधू ने कहा, ''आप कोई भी दिन लें, अमेरिका में भारत का एक प्रतिनिधिमंडल है या भारत में कोई अमेरिकी गया हुआ है। यहां तक कि जब मैं यह बात बोल रहा हूं,राष्ट्रीय सुरक्षासलाहकार (एनएसए) जैक सुलिवन नयी दिल्ली में हैं।

फिलीपींसः राख, लावा उगलते मायोन ज्वालामुखी के आसपास रहने वाले ग्रामीण अन्यत्र गए

सैंटो डोमिंगो। फिलीपीन में मायोन ज्वालामुखी से राख और लावा गिरने के भयावह दृश्यों के बीच, निकटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीण मंगलवार को ट्रकों में बैठकर अपने अपने घरों को छोड़, अन्यत्र चले गए। पिछले सप्ताह ज्वालामुखी में हलचल देखने के बाद उत्तर पूर्वी अलबे प्रांत में स्थित मायोन ज्वालामुखी के क्रेटर के छह किलोमीटर के दायरे में रह रहे करीब 15,000 लोगों को इलाका छोड़ना पड़ा जो मुख्यतः गरीब खेतीहर समुदाय से हैं। अलबे के गवर्नर ने सोमवार को यह दायरा एक किलोमीटर और बढ़ा दिया और क्षेत्र के हजारों निवासियों को किसी भी समय वह जगह छोड़ने के लिए तैयार रहने को कहा।

हालांकि कई लोगों ने अनिवार्य निकासी के आदेश से पहले ही विस्तारित खतरे वाले क्षेत्र से चले जाना ही उचित समझा। नौसेना के एक ट्रक में अपनी बेटी, नाती-पोतों और पड़ोसियों के साथ मौजूद

61 वर्षीय फिडेल बंजुएला ने कहा, ''वहां पहले से ही लावा और राख गिर रही है। अगर ज्वालामुखी फट जाए तब हम क्या करेंगे ?'' ये सभी मायोन के निकटवर्ती सैन फर्नांडो गांव से थे। फिडेल की 22 साल की बेटी साराह बंजुएला ने कहा ''राख और लावा निकल रहा है। हर पल लावा तेजी से करीब आता प्रतीत होता है।'' साराह के साथ उसका दो साल का बेटा भी है जिसकी अस्थमा की समस्या ज्वालामुखी से राख निकलने की वजह से बढ़ गई है।

ज्वालामुखी विस्फोट राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के प्रशासन के लिए हालिया प्राकृतिक आपदा की परीक्षा है। मार्कोस जूनियर ने पिछले साल जून में पदभार संभाला था और उन्हें विरासत में एक ऐसी अर्थव्यवस्था मिली जो दो साल के दौरान कोरोना वायरस महामारी की वजह से बिखर चुकी है, तथा जिसने गरीबी और बेरोजगारी को भी गहरा कर दिया है। उन्होंने विस्थापित ग्रामीणों को खाद्यान्न सहायता वितरित करने और उन्हें आश्वस्त करने में मदद करने के लिए अपने कुछ कैबिनेट अधिकारियों को अल्बे में तैनात किया है।

पीएम मोदी की पहल पर 21 जून घोषित हुआ था अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

संयुक्त राष्ट्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 21 से 24 जून तक अमेरिका की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। इस

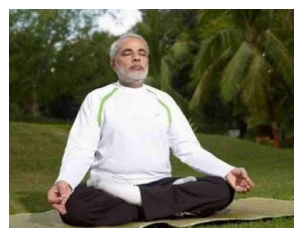

दौरान वो कई हाई-प्रोफाइल कार्यक्रमों में शिकरत करेंगे। पीएम मोदी 21 जून को संयुक्त राष्ट्र सचिवालय में योग सत्र आयोजित करेंगे। भारत में संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर शोम्बी शार्प ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर संयुक्त राष्ट्र सचिवालय में योग सत्र की अगुवाई करेंगे।

अब इस बार संयुक्त राष्ट्र सचिवालय में भारतीय प्रधानमंत्री सत्र आयोजित करेंगे

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) शांति स्थापना के 75 साल पूरे होने के मौके पर यहां आयोजित एक संगोष्ठी के इतर उन्होंने यह भी कहा कि 2015 से दुनिया ने सही मायने में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को अपनाया है। योग की सार्वभौमिक अपील को स्वीकार करते हुए दिसंबर 2014 में,संयुक्त राष्ट्र ने एक संकल्प द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया। इस दिन का उद्देश्य योग के अभ्यास के कई लाभों के बारे में दुनिया भर में जागरूकता बढ़ाना है। शार्प ने कहा कि प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी 21 जून को संयुक्त राष्ट्र सचिवालय में योग सत्र का नेतृत्व करेंगे। महासभा, सुरक्षा परिषद और अन्य अंगों द्वारा निर्देशित संयुक्त राष्ट्र के मूल और प्रशासनिक कार्य करता है। हर कोई समझ गया और 175 सदस्य देशों ने इस पर बहुत जल्दी हस्ताक्षर किए। यह उन लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय दिनों में से एक है, और वास्तव में बहुत सी चीजों का प्रतीक है। यह दिमागीपन, मानसिक स्वास्थ्य के बारे में है। उन्होंने कहा कि योग ने कोविड-19 महामारी जैसे कठिन समय में लोगों की मदद की। शार्प ने कहा कि योग फिट रहने और आराम से रहने के बारे में है, और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ने 'अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ एक प्रतिध्वनि पैदा की है और संयुक्त राष्ट्र में पीएम मोदी का होना 'विशेष' होगा।

अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ सीधे गेम में हराकर लक्ष्य और श्रीकांत दूसरे दौर में

जकार्ता। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन भारतीय बैडमिंन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उनके हमवतन किदांबी श्रीकांत ने बुधवार को यहां अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ सीधे गेम में जीत के साथ इंडोनेशिया ओपन विश्व टूर सुपर 1000 टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता और दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी मलेशिया के जी जिया ली के खिलाफ सिर्फ 32 मिनट में 21-17 21-13 से जीत दर्ज की जबकि श्रीकांत ने चीन के ल्यू गुआंग झू को 21-13 21-19 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने इस तरह दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी ल्यू के खिलाफ दबदबा बरकरार रखा। श्रीकांत ने चीन के खिलाड़ी के खिलाफ अब तक अपने पांचों मुकाबले जीते हैं। अगले दौर में हालांकि लक्ष्य और श्रीकांत आमने-सामने होंगे जिससे एक भारतीय खिलाड़ी की हार तय है। भारत के प्रियांशु राजावत ने भी दूसरे दौर में जगह बनाई। उन्हें थाईलेंड के कुनलावुत वितिदसार्न के खिलाफ वाकओवर मिला। दूसरे दौर में हालांकि राजावत की राह आसान नहीं होगी क्योंकि उन्हें डेनमार्क के हेन्स क्रिस्टियन सोल्बर्ग विटिंगस और दूसरे वरीय स्थानीय खिलाड़ी एंथोनी सिनिसुका गिनटिंग के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता के खिलाफ खेलना होगा। भारत की युवा महिला खिलाड़ी आकर्षी कश्यप को हालांकि महिला एकल के पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। आकर्षी के पास कोरिया की दूसरी वरीय आन से यंग का कोई जवाब नहीं था और उन्हें 10-21 4-21 से हार झेलनी पड़ी।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप के साथ एशियाई खेलों में उतरेंगे भारत के शीर्ष एथलीट

नई दिल्ली। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा उम्मीद के मुताबिक राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगे लेकिन लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर की अगुआई में देश के अन्य सभी एथलीट गुरुवार से शुरू हो रही इस प्रतियोगिता के साथ एशियाई खेलों में जगह पक्की करने की कोशिश करेंगे। चोपड़ा चोट से उबर रहे हैं लेकिन अगर वह फिट भी होते तो भी उन्हें छूट मिलती क्योंकि अगस्त में बुडापेस्ट में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले उन्हें शीर्ष स्तर की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए ट्रेनिंग करनी है। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में रजत पदक के साथ कीनिया का दबदबा तोड़ने वाले अविनाश साब्ले को भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने से छूट दी गई है जो चीन के हांगझोउ में होने वाले आगामी एशियाई खेलों की अंतिम चयन प्रतियोगिता है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने इस साल की शुरुआत में स्पष्ट कर दिया था कि एशियाई खेलों (23 सितंबर से आठ अक्टूबर) के लिए नाम पर विचार के लिए खिलाड़ियों का राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैंपियनशिप में हिस्सा लेना अनिवार्य है। चोपड़ा और साब्ले की गैरमौजूदगी में श्रीशंकर चैंपियनशिप में आकर्षण का केंद्र होंगे। वह पिछले हफ्ते पेरिस डाइमंड लीग में 8.09 मीटर के प्रयास के साथ पहली बार तीसरे स्थान पर रहे। श्रीशंकर को जेस्विन एल्ड्रिन से कड़ी चुनौती मिलेगी जिन्होंने इसी साल 8.42 मीटर के प्रयास के साथ उनका राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। पुरुषों के बीच अन्य शीर्ष खिलाड़ी फर्राटा धावक अमलान बोरगोहेन (200 मीटर), डेकाथलीट तेजस्विन शंकर (ऊंची कूद में नहीं जिसमें उन्होंने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता), गोला फेंक के तेजिंदरपाल सिंह तूर, त्रिकूद के प्रवीण चित्रावेल और एल्डोस पॉल होंगे।

गोपनीय दस्तावेज अवैध तरीके से रखने का जुर्म नहीं कबूला

मियामी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उस जुर्म को मानने से इनकार किया कि उन्होंने फ्लोरिडा के अपने आवास में गोपनीय दस्तावेज रख कर बीसियों बार कानून का उल्लंघन किया है। ट्रंप मंगलवार को मियामी की अदालत में पेश हुए और वह संघीय आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले देश के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं। नेवी सूट और लाल रंग की टाई पहने ट्रंप फ्लोरिडा के मियामी की अदालत में सुनवाई शुरू होने से 15 मिनट पहले पहुंचे और बहुत संभलते हुए अपनी कुर्सी पर बैठे। तब तक न्यायाधीश अदालत कक्ष में नहीं पहुंचे थे। ट्रंप के बेटे एरिक ट्रंप अदालत में अपने पिता के साथ थे। यह एक ऐसा ऐतिहासिक मामला है जो 2024 के लिए व्हाइट हाउस की दौड़ के परिप्रेक्ष्य में देश के राजनीतिक तथा कानूनी परिदृश्य को बदल सकता है।

अनुसार ट्रंप सुनवाई के दौरान जमीन की ओर देखते रहे। संघीय अभियोजकों ने ट्रंप पर अपने

कोर्ट में पेश हुए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

कार्यकाल के दौरान गोपनीय दस्तावेज हासिल करने और उन्हें अपने पास रखने के आरोप लगाए। पूर्व राष्ट्रपति पर 37संघीय आरोप लगाए गए हैं जिनमें से 31जासूसी अधिनियम के उल्लंघन से जुड़े हैं। ट्रंप के वकील टॉड ब्लांचे ने अभियोग के दौरान खचाखच भरे अदालत कक्ष में कहा,'' हम जुर्म नहीं कबूलने संबंधी याचिका दाखिल कर रहे हैं।'' अधिवक्ता ब्लांचे और क्रिस्टोफर किसे के साथ पूर्व राष्ट्रपति अदालत की कार्रवाई धीरज के साथ देखते रहे। मजिस्ट्रेट जज जोनाथन गुडमैन ने ट्रंप से इस मामले में किसी भी गवाह

से बात न करने को कहा, जिनमें वाल्ट नाउटा भी शामिल हैं।

ट्रंप ने इसके बाद अपने वकीलों से बात की। अधिवक्ता ने न्यायाधीश के इस प्रस्ताव पर आपत्ति जताई और कहा कि नाउटा और कई गवाह ट्रंप के कर्मचारी हैं अथवा सुरक्षाकर्मी हैं। नाउटा ट्रंप के करीबी हैं और उन्हें पूर्व राष्ट्रपति के निर्देश पर दस्तावेजों से भरे बक्सों को हटाने और संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) को गुमराह करने के लिए पिछले सप्ताह ही अभ्यारोपित किया गया है। सुनवाई के दौरान गुडमैन ने ट्रंप को लगातार ''पूर्व राष्ट्रपति'' कहा वहीं उनके अधिवक्ता उन्हें ''राष्ट्रपति ट्रंप '' संबोधित करते रहे।' पैंतालिस मिनट की अदालती सुनवाई के दौरान इस बात पर कोई चर्चा नहीं हुई कि ट्रंप को अगली बार अदालत में कब और कहां पेश होना होगा। ट्रंप को गोपनीय दस्तावेज रखने संबंधी मामले में अभ्यारोपित किया गया है।

यह मामला फ्लोरिडा स्थित ट्रंप के आवास मार-ए-लागो से सैकड़ों गोपनीय दस्तावेज बरामद होने से जुड़ा है। इस मामले में दोषी करार दिए जाने की सूरत में ट्रंप को कई साल की जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है। जुर्म नहीं कुबूलने संबंधी याचिका दाखिल करने के बाद ट्रंप मंगलवार रात को न्यूजर्सी गोल्फ क्लब पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत हुआ। ट्रंप ने वहां मौजूद लोगों को करीब आधे घंटे तक संबोधित किया और कहा, '' उन्हें यह मामला तत्काल बंद करना चाहिए क्योंकि वे देश के बर्बाद कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, '' हिलेरी क्लिंटन ने कानून तोड़ा और उनके खिलाफ अभियोग नहीं लगा। जो बाइडन ने कई अन्य तरीकों से कानून तोड़ा लेकिन उन पर भी अभियोग नहीं लगा। मैंने सब सही किया फिर भी उन्होंने मेरे खिलाफ अभियोग लगाया।

ट्रंप ने कहा,'' कई लोगों ने मुझसे पूछा कि मेरे पास ये बक्से क्यों हैं, अपको वह क्यों चाहिए?इसका उत्तर यह है कि प्रेसिडेंशियल रिकॉर्ड्स एक्ट के तहत हर अधिकार होने के अलावा इन बक्सों में व्यक्तिगत सामान था- कई, कई चीजें- शर्ट ,जूते और सब कुछ ।'' उन्होंने कहा, '' मुझे इन्हें देखने का मौका ही नहीं मिला क्योंकि इसके लिए काफी वक्त चाहिए।'' मामले की सुनवाई एक बार फिर राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने की ट्रंप की इच्छा के आड़े भी आ सकती है। इससे न सिर्फ उनके राजनीतिक भविष्य पर, बल्कि उनकी व्यक्तिगत आजादी पर भी असर पड़ सकता है। सीएनएन ने अपनी एक खबर में कहा कि मंगलवार की सुनवाई मजिस्ट्रेट न्यायाधीश गुडमैन ने की लेकिन अब यह मामला जिला न्यायाधीश एलीन कैनन की अदालत में जाएगा। कैनन को ट्रंप ने नियुक्त किया था और पूर्व के उनके फैसलों को देखते हुए ये प्रश्न उठने लगे हैं कि वे इस मामले को कैसे देखेंगे।

सम्पादकीय

भागलपुर में गंगा नदी पर बन रहे पुल पर कन्फ्यूज है नीतीश सरकार

अभी ओडिशा में हुई रेल दुर्घटना का मलवा भी पूरी तरह साफ नहीं हुआ था कि रविवार को बिहार के भागलपुर में गंगा नदी पर बन रहे एक पुल का एक हिस्सा धंसने की खबर आ गई। हालांकि यह पुल अभी बन ही रहा था और इसलिए इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन बिहार में इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट के कामकाज की जो हालत है, उस पर यह एक कठोर टिप्पणी जरूर है। इस पुल पर काम 2014 में शुरू हुआ था और इसे 2019 तक ही पूरा हो जाना था। मगर, उसके बाद यह समयसीमा चार बार बढ़ाई जा चुकी है। खास बात यह कि इसी पुल का एक अन्य हिस्सा पिछले साल भी धंसा था। इस बार ज्यादा गंभीर पहलू यह है कि खुद सरकार भी इस घटना पर बंटी हुई दिख रही है। रविवार शाम को पुल धंसने की खबर आई और जैसा कि ऐसी घटनाओं में होता है, पुल टूटने और गिरने के विडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे। कुछ समय बाद एक न्यूज एजेंसी की ओर से यह खबर भी आई कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। मगर उसके बाद उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि इस पुल के निर्माण कार्य में शुरू से गड़बड़ थी, इसके डिजाइन में समस्या थी। इस वजह से सरकार ने आईआईटी-रुड़की से संपर्क किया था और विशेषज्ञों की एक समिति इस मामले को देख रही थी। उनके मुताबिक इस पुल को नए सिरे से बनवाना है और पुल के एक हिस्से का गिराया जाना उसी योजना के तहत की गई कार्रवाई है।

सवाल है कि अगर यह सब सोच-समझे ढंग से हुआ है तो फिर मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश क्यों दिए? जाहिर है, इस पूरे मामले में कुछ न कुछ गफलत है। या तो सरकार के अंदर आपसी संवाद और तालमेल की कमी है या फिर इस मामले की सूचना जारी करने की प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई है। जहां जो भी गड़बड़ हो, सबसे पहले तो सरकार को संवाद की प्रक्रिया दुरुस्त करने पर ध्यान देना होगा। ऐसे संवेदनशील मामलों में सरकारी कामकाज को लेकर इस तरह की तस्वीर सामने आना न सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि किसी इमर्जेंसी की स्थिति में घातक साबित हो सकता है। मगर पुल बनने का मामला भी सवालों के घेरे से बाहर नहीं हो जाता।

प्रॉजेक्ट पूरा होने में देरी तो एक मसला है ही, जैसा कि उपमुख्यमंत्री की बातों से लगता है अगर विशेषज्ञों की समिति ने इस प्रॉजेक्ट में बुनियादी कमी बताई है तो यह सवाल भी बनता है कि आखिर यह बात प्रॉजेक्ट शुरू होने के नौ साल बाद क्यों सामने आ रही है। जाहिर है, पूरे मामले की ढंग से जांच करवाकर इसकी जिम्मेदारी तय करने और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई जल्द से जल्द करने की जरूरत है।

बेलगाम होते खालिस्तान समर्थक एक दिन कनाडा के लिए बड़ा खतरा बन जायेंगे

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस के बढ़ते कदम अब रुक-से गए हैं क्योंकि जानमाल की भारी हानि रूस को भी हुई है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यह समझ नहीं आ रहा है कि वह करें तो क्या करें। दरअसल, 2014 में क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद से ही रूस पश्चिमी देशों की ओर से लगाये गये तमाम प्रतिबंधों का सामना कर रहा था। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू होने के बाद रूस के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंध और बढ़ गये जिससे रूस की अर्थव्यवस्था भारी दबाव में आ गयी। इसके साथ ही पुतिन की सोच के विपरीत युद्ध लंबा खिंचता चला जा रहा है जिससे रूस का नुकसान बढ़ता ही जा रहा है। देखा जाये तो शुरू में रूस ने एक छोटा सैन्य अभियान समझ कर जो युद्ध शुरू किया था वह अब अंतहीन होता दिख रहा है। रूस के लिए यह संघर्ष एक लंबा और महंगा युद्ध बन गया है।

द इकोनॉमिस्ट ने अनुमान लगाया है कि रूस का सैन्य खर्च एक वर्ष में पांच खरब रूबल (ह्49 अरब पाउंड) या उसके सकल घरेलू उत्पाद का तीन प्रतिशत है। हालांकि जर्मन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (जीडीएपी) का अनुमान है कि युद्ध में रूस का सैन्य खर्च यूएसडी 90 अरब (ह्72 अरब पाउंड), या जीडीपी के पांच प्रतिशत से अधिक है। युद्ध में जिस तरह बेहिसाब खर्च हो रहा है उससे अब रूसियों का हौसला भी जवाब देने लगा है।

जहां तक अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की बात है तो उसने रूस की अर्थव्यवस्था को बहुत भारी नुकसान पहुंचाया है। प्रतिबंधों ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों, विदेशी मुद्रा और उत्पादों तक रूस की पहुंच की क्षमता को प्रभावित किया है। साथ ही जिस दर से रूसी सेना को इस समय रक्षा उपकरण और गोला-बारूद मित्र देशों से मिल रहा है, वह भी देश के रक्षा उद्योग पर दबाव डाल रहा है। इस स्थिति से उबरने के लिए रूस के सामने विकल्प यह है कि वह एक बार में निर्णायक सफलता हासिल करने के लिए अपने सैन्य प्रयासों को बड़े पैमाने पर बढ़ाये। अगर युद्ध ऐसे ही चलता रहा तो यूक्रेन को दुनिया से मदद मिलती रहेगी क्योंकि यह युद्ध भले दो देश लड़ रहे हों मगर इससे वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। ऐसे में रूस को रोकने और यूक्रेन को जिताने के लिए दुनिया के बड़े देश यूक्रेन को समर्थन देते रहेंगे।

अब तक के युद्ध को देखें तो रूस ने बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद खो दिया है। मार्च 2023

में ब्रिटेन के सशस्त्र बलों के मंत्री जेम्स हेप्पी ने अनुमान लगाया था कि रूस ने 1,900 मुख्य युद्धक टैंक, 3,300 अन्य बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, 73 चालक दल वाले फिक्स्ड विंग विमान, सभी प्रकार के कई सौ बिना चालक दल वाले हवाई वाहन (यूएवी), 78 हेलीकॉप्टर, 550 ट्यूब आर्टिलरी सिस्टम, 190 रॉकेट आर्टिलरी सिस्टम और आठ नौसैनिक जहाज खो दिए हैं। इसके अलावा, रूस को कई महत्वपूर्ण सैन्य और औद्योगिक चुनौतियों से भी जूझना पड़ रहा है। दरअसल सटीक निशाना लगाने वाले कई हथियारों के लिए रूस भी विदेशी तकनीक पर निर्भर है जोकि प्रतिबंधों के चलते अब उसे मिल नहीं रही है। इस तरह की भी रिपोर्टें हैं कि रूसी सेना द्वारा उपयोग किए जाने वाले अधिकांश उच्च तकनीक वाले इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद अमेरिकी कंपनियों द्वारा ही निर्मित होते हैं। शायद यही कारण है कि इस समय रूसी सेना निम्न श्रेणी के हथियारों का ज्यादा उपयोग कर रही है और अत्याधुनिक तकनीक वाले हथियारों का उपयोग संयम के साथ किया जा रहा है। रूस ऐसा इसलिए कर रहा है कि स्थिति ज्यादा बिगड़ती है तब इनसे असल काम लिया जा सके। ऐसा भी सामने आया है कि जिन तोपों के गोलों पर रूस को बहुत भरोसा था वह भी अब कम पड़ रहे हैं।

रूस पर वैश्विक प्रतिबंधों का कितना असर पड़ रहा है यह समझना है तो आप यूएस थिंकटैंक सेंटर फॉर सिक्योरिटी एंड इंटरनेशनल स्टडीज की रिपोर्ट को देख सकते हैं। इस रिपोर्ट में अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के अनुमानों के हवाले से बताया गया है कि रूस इतना परेशान हो चुका है कि वह अपने जिन 6000 से अधिक सैन्य उपकरणों को बदलना या अपग्रेड करना चाहता था, उस काम को उसने रोक दिया है क्योंकि उसे विदेशी तकनीक और रक्षा उत्पादन से जुड़े साजो-सामान नहीं मिल पा रहे हैं। रूसी टैंकों और सैन्य विमानों का अपग्रेड भी इन प्रतिबंधों की वजह से रुक गया है। रूस से जो रिपोर्टें सामने आ रही हैं वह दर्शा रही हैं कि अब पुतिन की सरकार घरेलू स्तर पर ही हथियारों को पूर्ण रूप से निर्मित करने पर जोर दे रही है। रूस की सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दमित्री मेदवेदेव ने हाल ही में 1,500 आधुनिक टैंकों के उत्पादन की योजना पेश की है। रूसी संवाद समिति तास ने बताया है कि मेदवेदेव निगरानी ड्रोन के बड़े पैमाने पर उत्पादन की भी योजना बना रहे हैं। बताया जाता है कि सरकार हथियार निर्माताओं को पर्याप्त ऋण प्रदान कर रही है और यहां तक कि ऐसा करने के लिए बैंकों को आदेश भी जारी किया गया है। यह भी बताया जा रहा है कि कई रूसी हथियार संयंत्र सप्ताह में छह या सात दिन तक तीन शिफ्टों में काम कर रहे हैं और कर्मचारियों को अधिक वेतन की पेशकश भी कर रहे हैं। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि वे उन जैसी हथियार प्रणालियों का उत्पादन बढ़ा सकें जिनका रूस प्रतिबंधों के चलते आयात नहीं कर पा रहा है। बहरहाल, रूस का बढ़ता सैन्य खर्च और खोती हुई साख दुनिया को भारत के उस संदेश का महत्व एक बार फिर बताती है जिसके तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है। युद्ध से भले रूस ने यूक्रेन के कुछ इलाके जीत लिये हों लेकिन अपनी सैन्य ताकत का उसे जितना घमंड था वह चूर-चूर हो चुका है। एक छोटे-से देश की सीमित संसाधनों वाली सेना ने जिस तरह विश्व की एक महाशक्ति को डेढ़ साल से उलझा रखा है वह वैश्विक इतिहास की बड़ी घटनाओं में शुमार हो चुका है।

भ्रष्टाचार से निबटने की बजाय विपक्षी एकता पर ध्यान लगा रहे हैं नीतीश, इसलिए बिहार का यह हाल है

विपक्षी एकता के प्रयासों में जुटे बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की पुल ढहने की घटना ने अच्छी-खासी किरकिरी करा दी। भ्रष्टाचार के मामले में विपक्षी दलों को निशाना बनाने से भाजपा नहीं चूकती। भाजपा पूर्व में भी विपक्षी एकता के प्रयासों पर ऐसे प्रहार करती रही है। विपक्षी एकता के प्रयासों को भ्रष्टाचारियों को बचाने का गठजोड़ बताती रही है। दरअसल, भागलपुर के सुल्तानगंज स्थित अगुवानी घाट गंगा नदी पर 1710 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे निर्माणाधीन फोरलेन पुल का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 23 फरवरी 2014 को शिलान्यास किया था, मगर अब यह पुल ढह गया। पुल की लंबाई 3.160 किलोमीटर थी। इसका निर्माण 80 प्रतिशत पूरा हो चुका था।

इससे पहले भी यह पुल 27 अप्रैल 2022 को तेज आंधी और बारिश के चलते ढह गया था। इस पुल का कम से कम 100 फीट हिस्सा गिर गया था। बिहार में घटिया निर्माण के कारण पुलों के ध्वस्त होने की यह कोई पहली घटना नहीं है। बीते एक साल में राज्य में 7 बार पुल गिरने की घटनाएं हो चुकीं हैं, लेकिन नीतीश सरकार फिर भी नहीं जागी। विपक्षी एकता के सपने के बूते केंद्र में सत्ता पाने के प्रयास में जुटे नीतिश कुमार बिहार को नहीं संभाल पा रहे हैं। बिहार भ्रष्टाचार और अराजकता के लिए ही नहीं बल्कि अजीबोगरीब घटनाओं के लिए भी सुर्खियों में रहा है। यह बिहार में ही संभव है कि पुल जैसा मजबूत ढांचा महज आंधी से ढह जाए। इसके अलावा भी बिहार में भ्रष्टाचार और अराजकता की ऐसी हास्यादपद घटनाएं हुई हैं। इनसे नीतिश सरकार के तौर-तरीकों पर सवालिया निशान लगते रहे हैं।

किसी भी राज्य में भारी-भरकम रेल के इंजन की चोरी की कल्पना भी नहीं की जा सकती। मगर बिहार में चोर ट्रेन के इंजन को चोरी कर ले गये। बरौनी (बेगूसराय जिला) के गरहारा यार्ड में मरम्मत के लिए लाए गए ट्रेन के डीजल इंजन को एक गिरोह ने चुरा लिया। चोर एक सुरंग माध्यम से आते थे और इंजन के पुर्जों को चुरा लेते थे। इंजन के पुर्जों को बोरियों में भरकर ले जाते थे। इंजन का सिर्फ ऊपरी ढांचा ही रह गया। बिहार है तो ऐसी वारदातें संभव है कि तर्ज पर पंडौल से लोहट चीनी मिल की तरफ गई रेल लाइन से दो किलोमीटर पटरी चोरी हो गई है। चीनी मिल के बंद होने के बाद से ही इस ओर रेल सेवाएं बाधित थीं। चोरों ने इसी का फायदा उठाया और वो रेल लाइन से दो किलोमीटर पटरी चोरी कर ले गए।

बिहार के बांका जिले से एक लोहे का पुल गायब हो गया। चोरों ने इस पुल का दो तिहाई हिस्सा गैस कटर से काटकर चुरा लिया। लाखों रुपये की लागत से पटनिया धर्मशाला से जोड़ने के लिए इस पुल का निर्माण किया गया था। पुल की लंबाई 80 फीट और चौड़ाई 15 फीट है। भागलपुर के सुल्तानगंज से देवघर में बैद्यनाथ धाम जाने वाले तीर्थयात्रियों (कांवरियों) की सुविधा के लिए इस पुल को बनाया गया था। इससे पहले भी बिहार के रोहतास जिले में लोहे के पुल की चोरी हुई थी। यहां चोरों ने 60 फीट लंबे और 500 टन वजनी लोहे के पुल को गायब कर दिया था। बिहार में अपराधियों को इससे फर्क नहीं पड़ता है कि चोरी का माल कितना भारी और कहां पर स्थित है। भले ही वह स्थान राजधानी पटना ही क्यों न हो। चोरों की हिमाकत है कि मुजफ्फरपुर से मोबाइल का टावर चोरी कर ले गए। इससे पहले राजधानी पटना में भी चोरों ने मोबाइल टावर चोरी कर लिया था।

बिहार दशकों से भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ को लेकर सुर्खियों में रहा है। बिहार हाईकोर्ट ने लालू यादव के शासन को जंगल राज बताया था। इसकी झलक नीतिश सरकार में बाकी है। बाहुबली आनंद सिंह की जेल से रिहाई के मुद्दे पर नीतिश सरकार की छवि प्रभावित हुई है। बिहार सरकार ने जेल कानूनों में संशोधन करके जिला कलक्टर की हत्या के आरोप में सजा काट रहे आनंद सिंह को रिहा करने का मार्ग प्रशस्त किया। राजनीति में भ्रष्टाचार और अपराध का बिहार का पुराना इतिहास रहा है। बिहार की गुलाटी मारती गठबंधन वाली राजनीति में नीतीश ने कई बार गुलाटी खाई है। वर्ष 2017 जुलाई में कलह की वजह को नीतीश ने भ्रष्टाचार के खिलाफ असहिष्णुता बताया था। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले को वजह बताते हुए मुख्यमंत्री नीतिश ने राजद के साथ गठबंधन तोड़ते हुए कहा था कि उन्हें 'घुटन' महसूस होती है। छह साल बाद उन्होंने राजद से फिर हाथ मिला लिया। तेजस्वी डिप्टी सीएम बने और तेज प्रताप यादव को मंत्री बनाया गया।

नीतिश कुमार विपक्षी एकता के प्रयासों के जरिए भारतीय जनता पार्टी को चुनौती देने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बिहार में लालू के शासन में हुए भारी भ्रष्टाचार और अराजकता की छाप अभी तक बनी हुई है। लालू यादव की पार्टी से सत्ता के लिए किए गए गठबंधन के बाद प्रदेश की छवि बदलने के प्रयासों को झटका लगा है। उस पर भ्रष्टाचार और आपराधिक घटनाएं कोढ़ में खाज साबित हो रही हैं। भाजपा नीतिश सहित अन्य विपक्षी दलों पर सार्वजनिक तौर पर भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था को मुद्दा बनाती रही है। निश्चित तौर पर आगामी लोकसभा चुनाव में भी भाजपा के लिए यह बड़ा मुद्दा होगा। नीतिश सहित विपक्षी दल भाजपा पर ईडी और सीबीआई की द्वेषपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाते रहे हैं किन्तु जब तक इन दलों के दामन पर लगे दाग नहीं हटेंगे तब न सिर्फ एकता के प्रयासों को झटका लगेगा बल्कि भाजपा को भी इनके खिलाफ बोलने का मौका मिलता रहेगा।

ओबीसी को सबल और सशक्त बनने के लिए मोदी सरकार ने अहम फैसले लिए, पर उन्हें वोट बैंक नहीं बना सके

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर ने गत दिनों मोदी सरकार में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की उपलब्धियों की जानकारी दी। जिससे स्पष्ट है कि ओबीसी को सबल और सशक्त बनने के लिए मोदी सरकार ने अहम फैसले लिए। वर्षों से लंबित फैसले घण्टों में लिए, इसके बावजूद भी उन्हें वो स्थायी वोट बैंक न बना सके। अविभाजित वोट बैंक न बना सके। और तो और, उनके वोट भी उम्मीदों के अनुरूप हर जगह पर समान रूप से न मिल सके। जबकि मोदी सरकार में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल में ओबीसी के अलावा दलित-आदिवासियों की भी अच्छी तादात है।

गौर करने वाली बात यह कि ओबीसी आरक्षण और एससी-एसटी प्रोमोशन के अलावा मुस्लिम तुष्टीकरण में जब से बीजेपी ने अन्य पार्टियों की लाइन पकड़ी है, तब से उसके राष्ट्रवाद और हिंदुत्व पर सवर्ण समाज व प्रबुद्ध लोगों का उतना भरोसा नहीं रहा, जितना पहले हुआ करता है। शायद यही वजह है कि कभी 2 दर्जन राज्यों में अपनी या अपने गठबंधन की सरकार बनाने वाली भाजपा अब बमुश्किल से लगभग 1 दर्जन राज्यों तक सिमट चुकी है। ऐसा इसलिए कि जिस प्रतिबद्धता के साथ सवर्ण व प्रबुद्ध। वोटर उससे जुड़े थे, वैसी प्रतिबद्धता बीजेपी से लाभान्वित ओबीसी, एससी-एसटी-पसमांदा मुसलमान नहीं दिखला सके। वहीं, समर्पित सवर्ण और प्रबुद्ध वोटर भी सभी पार्टियों की चाल, चरित्र व चेहरा एक ही होने की बात समझकर जब उदासीन होने लगे, तो भाजपा का राजनीतिक ग्राफ राज्यों से गिरने लगा, कुछेक अपवादों को छोड़कर।

बता दें कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर द्वारा हाल ही में एक प्रेस वार्ता का आयोजन न्यू महाराष्ट्रा सदन नई दिल्ली में किया गया। जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए पत्रकारों को बताया कि देश के पिछड़े वर्ग को न्याय देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी तथा उनकी सरकार ने जो निर्णय लिये तथा न्याय दिया है, उसके पूर्व अन्य पार्टियों के सत्ता पक्ष के लोगों ने इस पर कभी विचार भी नहीं किया था। इसलिए मोदी सरकार के निर्णय सराहनीय व युगान्तकारी रहे हैं।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि। देश के पिछड़े वर्गों में योग्यता, कुशलता, कारीगरी और मेहनती लोगों की कोई कमी नहीं है। इस वर्ग की अधिकांश जातियां कृषि व हस्तकला क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं, जिसमें मजदूर भी हैं और कुशल कारीगर भी। वे अपने व्यवसाय से समाज सेवा करते हैं। उनके मेहनत से समाज की जरूरतें पूरी होती हैं। बावजूद इसके यह वर्ग आर्थिक और शिक्षा के क्षेत्र में विकास से वंचित रखा गया था।। जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी ने न्याय दिलाया।

एक अनुमान के मुताबिक, भारत में 50 प्रतिशत से अधिक लोग पिछड़ा वर्ग से हैं। भारत रत्न बाबा साहब डा.भीमराव अम्बेडकर के विचार एवं संविधान के अनुसार सामाजिक विषमता दूर करने हेतु प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने एक मूल मंत्र दिया, जो "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" का आह्वान करता है। सचमुच में उनका यह स्वप्न साकार हो रहा है, जिससे साबित होता है कि मोदी सरकार के नौ साल के दौरान ओबीसी को सबल और सशक्त बनने का मौका मिला है। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देना मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धि है। ऐसा करके उसने मंडल के समानांतर कमंडल उठाने के पाप को धो दिया है। वाकई वर्षों से यानी 1993 से राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की स्थापना होने के बाद पहली बार इस राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने वर्ष 2018 में संवैधानिक दर्जा देते हुए इस आयोग की गरिमा बढ़ाई तथा पिछड़ों के हित में प्रभावी तरीके से आयोग को कार्य करने का अवसर दिया।

राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) द्वारा आयोजित एम.बी.बी.एस.और एम.डी. की पढ़ाई के लिए अखिल भारतीय कोटे के अन्तर्गत राज्यों द्वारा योगदान दी गयी सीटों में एस.सी/एस.टी को ऑल इण्डिया कोटे की सीटों में वर्ष 2007 से 22.5 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा था, परन्तु ओबीसी का आरक्षण शून्य था। यह मामला माननीय सर्वोच्च न्यायालय में चल रहा था। परन्तु

आयोजित एम.बी.बी.एस. और एम.डी. की पढ़ाई के लिए अखिल भारतीय कोटे के अन्तर्गत राज्यों द्वारा योगदान दी गयी सीटों में ओबीसी को 27 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जायेगा। परिणाम यह हुआ कि प्रत्येक शैक्षणिक सत्र 2021-22 में एम.बी.बी.एस. में 1500 और एम.डी. की पढ़ाई में 2500 ओबीसी विद्यार्थियों को दाखिला मिलना शुरू हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने केन्द्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय में ओबीसी के छात्र/छात्राओं को प्रवेश में 27 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया है, जो शैक्षणिक सत्र 2020-21 से लागू हुआ। शैक्षणिक सत्र 2020-21 से 2022-23 तक केन्द्रीय विद्यालय में 129414 (एक लाख उन्तीस हजार चार सौ चौदह) ओबीसी के बच्चों का दाखिला दिया गया। नवोदय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2021-22 से 2022-23 तक 59243 (उनसठ हजार दो सौ तैतालीस) ओबीसी के बच्चों का दाखिला दिया गया। शैक्षणिक सत्र 2021-22 के दौरान देश के 33 सैनिक स्कूलों में 32.91 प्रतिशत प्रवेश में आरक्षण देते हुए ओबीसी के बच्चों का दाखिला दिया गया। देश के इतिहास में पहली बार मोदी सरकार ने बेटी और बेटे को समान अवसर प्रदान करने हेतु बेटियों को सैनिक स्कूल में दाखिला देना शुरू किया है।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 2014-15 की तुलना में 2020-21 में ओबीसी छात्रों के नामांकन में 32.6 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। ओबीसी छात्राओं के मामले में 2014-15 की तुलना में 2020-21 में 40.4 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के मामले में, 2014-15 की तुलना में 2020-21 में ओबीसी छात्रों के नामांकन में 71 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ओबीसी छात्राओं का नामांकन 2014-15 से दोगुना से अधिक हो गया है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 1,94,810 लाभार्थियों के लिए 678.05 करोड़ रुपये की वार्षिक कार्य योजना को मंजूरी प्रदान की गई है। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त और विकास निगम प्रधानमंत्री दक्षता और कुशल संपन्न हितग्राही (पीएम-दक्ष) योजना के अंतर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कार्यान्वयन कर रहा है।

विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत बैंक ओबीसी को लाभ दे रहा है। उदाहरण के तौर पर प्रधानमन्त्री जन धन योजना के तहत यूनियन बैंक ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 61.70 लाख ओबीसी के लोगों के जन-धन खाते खोले गये और उन खातों में 2208.90 करोड़ रुपये जमा पाये गये। प्रधानमन्त्री मुद्रा ऋण योजना के तहत यूनियन बैंक ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 619 करोड़ रूपये ओबीसी को दिये गये। प्रधानमन्त्री जन धन योजना के तहत पंजाब नेशनल बैंक ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 77.74 लाख ओबीसी के लोगों के जन धन खाते खोले गये और उन खातो में 3578.4 करोड़ रूपये जमा पाये गये। प्रधानमन्त्री मुद्रा ऋण योजना के तहत पंजाब नेशनल बैंक ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 1073 करोड़ रूपये ओबीसी को दिये गये। फसल ऋण और किसान ऋण योजना के तहत पंजाब नेशनल बैंक ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 16000 करोड़ रूपये का प्रावधान ओबीसी के लिए किया गया।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने जांच के दौरान पाया है कि मोदी सरकार के दौरान बड़े पैमाने पर ओबीसी को पेट्रोल पम्प और गैस एजेन्सी के आबंटन हुए हैं। उदाहरण के तौर पर इण्डियल ऑयल कारपोरेशन द्वारा 31 जनवरी, 2023 तक 1193 गैस एजेन्सी ओबीसी को आबंटित किये गये। वर्ष 2014 में इण्डियल ऑयल कारपोरेशन द्वारा ओबीसी के लिए 3790 पेट्रोल पम्प का विज्ञापन निकाला गया था। मोदी सरकार के दौरान इण्डियल ऑयल कारपोरेशन द्वारा वर्ष 2018 में ओबीसी के लिए 9629 पेट्रोल पम्प का विज्ञापन निकाला गया था। आईआईटी में ओबीसी श्रेणी के उन छात्रों की ट्यूशन फीस पूरी माफ होती है जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 1.00 लाख रूपये से कम है। इसके अलावा, उन ओबीसी छात्रों की दो तिहाई ट्यूशन फीस मांफ होती है, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 1.00 लाख से 5.00 लाख रूपये है। ऐसा नहीं है कि मोदी सरकार ने सिर्फ पिछड़ों के लिए ही कार्य किया हो। उन्होंने दलितों, आदिवासियों और पसमांदा मुसलमानों के लिए भी काम किया। मोदी युग में देश को एक दलित राष्ट्रपति मिला, तो दूसरा आदिवासी राष्ट्रपति। विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ पसमांदा मुसलमानों ने भी खूब उठाया। सवर्णों के लिए भी 10 प्रतिशत आरक्षण इसी सरकार ने दिए। बावजूद इसके, मोदी वन और मोदी टू सरकार की राजनीतिक चुनौती कम नहीं हुई। एक के बाद एक राज्य से उनकी सरकार उखड़ती चली गई। जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर को छोड़कर।

ऐसा इसलिए कि जो राष्ट्रवाद और हिंदुत्व सबको एक समान नागरिक संहिता बनाकर जोड़ता, उसको तो सिर्फ लॉलीपॉप मिले, लेकिन कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों की आरक्षण और प्रोमोशन वाली जातीय बीमारी से जब भाजपा भी संक्रमित हो गई और मोदी व भागवत के मुस्लिम तुष्टीकरण सरीखे सुर्खियों वाले बयानों से और कतिपय हिन्दू कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न पर भाजपा-संघ के नेताओं की चुप्पी या उनकी प्रशासनिक विवशत से जब 'प्रतिबद्ध हिन्दू कार्यकर्ता' न्यूट्रल गियर पर चलने लगे, तो पार्टी विद डिफरेंस के नारे देने वाली भाजपा खुद कमजोर होने लगी। पहले राजस्थान और छत्तीसगढ़, और अब हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक से जो सख्त सियासी संदेश आये हैं, उसके दृष्टिगत भाजपा यदि नहीं चेती तो 2024 में उसका राजनैतिक संघर्ष और बढ़ेगा, कम नहीं होगा।

भाजपा यदि पार्टी विद डिफरेंस है तो उसे सबसे पहले भारतीय संविधान के उन शरारतपूर्ण प्रावधानों को हटाने के लिए सच्चे मन से प्रयत्न करना चाहिए, जो ब्रिटिश मानसिकता के फुट डालो और शासन करो के सिद्धांतों को बढ़ावा देती आई हैं।

संक्षिप्त समाचार

प्रफुल्ल महंत को 'गोपनीय हत्याओं' के आरोपों से बरी किया

गुवाहाटी। असम के पूर्व मुख्यमंत्री प्रफुल्ल कुमार महंत को 'गोपनीय हत्याओं' के आरोपों से बरी करते हुए गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने इस संबंध में दायर हस्तक्षेप याचिका (दीवानी) खारिज कर दी है। याचिका पर सोमवार को सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश संदीप मेहता की खंडपीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता अपने दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत पेश नहीं कर पाए। राज्यसभा सदस्य अजीत कुमार भुइयां और अनंत कालिता ने तीन सितंबर, 2018 के अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए हस्तक्षेप याचिका दायर की थी। अदालत ने अपने आदेश में उस जांच आयोग को अवैध करार दिया था जिसने महंता को मुख्यमंत्री के रूप में उनके दूसरे कार्यकाल (1996-2001) के दौरान 'गोपनीय हत्याओं' के लिए अभ्यारोपित किया था।

बुर्का पहनकर शराब खरीदने पहुंची महिला को धमकाया, गिरफ्तारी के बाद वीडियो बनाकर मांगी माफी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की एक घटना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। दरअसल, बीते दिन एक मुस्लिम महिला बुर्का पहनकर शराब खरीदने ठेके पर गयी थी। ये बात वहां मौजूद कुछ मुस्लिम युवकों को पसंद नहीं आई। उन्होंने महिला को रोका और उसे दुबारा ऐसा नहीं करने की हिदायत दी। इतना ही नहीं युवकों ने महिला को उसका सिर कलम करने की भी धमकी दी। इस दौरान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद पुलिस ने मामले पर संज्ञान लेते हुए युवकों को गिरफ्तार कर लिया। जेल की सलाखों के पीछे पहुंचते ही युवकों की सारी अकड़ निकल गई। उन्होंने जेल से एक वीडियो बनाकर महिला को धमकी देने पर माफी मांगी है।

मुजफ्फरनगर में 12 जून को एक महिला बुर्का पहनकर ठेके पर बियर खरीदने गयी थी। तभी वहां खड़े 40 साल के बाकू उर्फ शाहनवाज, 30 साल के आदिल अहमद और 35 साल के साजिद अहमद ने उन्हें रोका और उनके बियर खरीदने पर आपत्ति जताई। इतना ही नहीं तीनों ने महिला को जान से मारने की धमकी भी दी।

जीतन मांझी के बेटे का बिहार मंत्रिमंडल से इस्तीफा; जेडीयू ने कहा उनकी पार्टी महागठबंधन से बाहर

पटना। बिहार के मंत्री संतोष कुमार सुमन ने मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) पर उनके पिता और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी द्वारा स्थापित पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) पर विलय के लिए 'दबाव' बनाने का आरोप लगाते हुए राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। सुमन के इस्तीफे के तुरंत बाद मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा उसकी स्वीकृति को लेकर जारी अधिसूचना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि सत्तारूढ़ महागठबंधन में 'हम' के चार विधायकों का उतना महत्व नहीं रहा है। संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, जिन्हें सुमन ने अपना इस्तीफा सौंपा था, ने संवाददाताओं से कहा, ''इस्तीफा व्यक्तिगत कारणों की वजह से साथ चलने में असमर्थता इंगित करती है।

कर्नाटकः भाजपा का दावा, सरकार की बैठको में शामिल हो रहे सुरजेवाला,आर अशोक बोले-वे सीधे 10 जनपथ से आए थे

नई दिल्ली। कर्नाटक में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पार्टी के कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला को कुछ अधिकारियों के साथ उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की अध्यक्षता वाली बैठक में भाग लेने के बाद सत्तारूढ़ कांग्रेस पर हमला किया। भगवा पार्टी ने सुरजेवाला से सवाल किया कि उन्होंने राज्य सरकार के अधिकारियों की एक बैठक में भाग क्यों लिया, जिसमें बेंगलुरु नागरिक निकाय, बृहत बेंगलुरु महानगर पालिके (बीबीएमपी) के अधिकारी शामिल थे। बैठक का आयोजन एक निजी होटल में किया गया था।

कर्नाटक के भाजपा विधायक आर अशोक ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सुरजेवाला बैठक कर रहे हैं। वह बैठक चला रहे हैं। यह कैसे संभव हो सकता है? उन्होंने कहा कि उनके पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है। वे कर्नाटक को बीबीएमपी बनाना चाहते हैं, एक एटीएम टू कांग्रेस। वे सीधे 10 जनपथ से एटीएम के लिए आए थे। इसलिए हमने राज्यपाल से शिकायत की। उन्होंने हमारा पत्र लिया है, वे पूछताछ करेंगे और सरकार और मुख्य सचिव को दिशा-निर्देश देंगे।

कर्नाटक के मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि एआईसीसी के महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कोई बैठक नहीं ली है। मंत्री, डिप्टी सीएम होटल में बैठक कर रहे थे और महासचिव उस होटल में थे। पीसीसी अध्यक्ष उनसे बात करना चाहते थे। वह उन्हें बुलाया और वह बस आकर पीसीसी अध्यक्ष के साथ बैठ गए। उस समय 2-3 अधिकारी थे, वे मंत्री के साथ चर्चा करने आए थे। महासचिव ने कभी अधिकारियों के साथ बैठक नहीं की।

भाजपा ने अपने ट्विटर हैंडल पर बैठक की एक तस्वीर साझा की, जिसमें सुरजेवाला शिवकुमार के बगल में बैठे दिख रहे हैं, जहां कर्नाटक सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव राकेश सिंह, बृहत बेंगलुरु महानगर पालिके (बीबीएमपी) के मुख्य आयुक्त तुषार गिरि नाथ और अन्य सरकारी अधिकारी मौजूद थे। तस्वीर में दिख रहा है कि ऊर्जा मंत्री के जे जॉर्ज, आवास मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान, शिवाजी नगर के विधायक रिजवान अरशद भी वहां मौजूद थे। भाजपा के ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया गया, ''एटीएम सरकार का राज क्या है? एटीएम सरकार की शांगरी-ला होटल, बेंगलुरु में गुप्त बैठक हुई? कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला का बीबीएमपी के वरिष्ठ अधिकारियों से क्या लेना-देना, जिनका राज्य सरकार या बीबीएमपी से कोई आधिकारिक संबंध नहीं है?'' ट्वीट में कहा गया, ''क्या यह 85 प्रतिशत डील फिक्सिंग की बैठक है? कृपया मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार जवाब दें।'' कांग्रेस की प्रदेश इकाई या सुरजेवाला की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बीजेपी नेताओं के साथ चुनाव आयोग के दफ्तर पहुंचे शुभेंदु अधिकारी, राजीव सिन्हा को बताया ममता का 'पालतू'

नई दिल्ली। पंचायत चुनाव से पहले बंगाल में चुनाव आयोग के दफ्तर में जबरदस्त तनाव देखने को मिल रहा है। नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ वहां पहुंचे। इतना ही नहीं अलग-अलग इलाकों से भाजपा कार्यकर्ता-समर्थक बस से पहुंचे हैं। इनका नेतृत्व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार कर रहे हैं। कोलकाता में आयोग के कार्यालय में इस समय गहमागहमी का माहौल है। शुभेंदु ने रस्सी हटा दी और बैरिकेड हटा दिए ताकि भाजपा नेता और कार्यकर्ता आयोग के कार्यालय में प्रवेश कर सकें। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांता मजूमदार और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल चुनाव आयुक्त राजीव सिन्हा से मुलाकात की। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि 20 हजार सीटों पर निर्विरोध जीतने के लिए ममता बनर्जी और राजीव सिन्हा ने साजिश की है। उन्होंने सेंट्रल फोर्स के लिए मना कर दिया, उन्होंने कहा कि बंगाल में कोई संवेदनशील बूथ नहीं है। उन्होंने राज्य चुनाव आयुक्त राजीव सिन्हा को ममता बनर्जी का 'पालतू' बताया। इतना ही नहीं, उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग तृणमूल का पक्ष ले रहा है। इसके बाद पता चला है कि सुकांत नजत से भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं को बस में बिठाकर कोलकाता के लिए रवाना हुए।

पीएम मोदी के पिता भी आ जाएं तो,एमपी में कांग्रेस नेता के बिगड़े बोल, बीजेपी ने किया तीखा पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक और आपत्तिजनक टिप्पणी करके विशेष रूप से चुनावी राज्यों में कांग्रेस नेताओं की तरफ से सेल्फ गोल करने की पुरानी आदत है। इसी 'परंपरा' को कायम रखते हुए मध्य प्रदेश के एक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने प्रधानमंत्री के पिता के खिलाफ अपमानजनक और अपमानजनक टिप्पणी की। मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रदेश कमेटी के अध्यक्ष रह चुके अरुण सुभाष यादव ने कुछ ऐसा ही कह दिया है। वहीं बीजेपी नेता से इसको लेकर जब सवाल किए गए तो उन्होंने बीजेपी की जीत का दावा किया है।

मध्य प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव ने कहा कि मोदी जी आ सकते हैं। उनके वरिष्ठ, यदि कोई हों, आ सकते हैं। नड्डा जी वैसे भी यहां आ रहे हैं। मोदी के पापा भी चाहें तो यहां आ सकते हैं, हमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन मध्य प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में हवा चल रही है, बदलाव के लिए - हम इसे स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने कांग्रेस के दावों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि बीजेपी जीतेगी और वो भी पीएम मोदी के नेतृत्व में।

राज्य के भाजपा नेताओं ने पीएम मोदी और उनके पिता के खिलाफ भद्दी टिप्पणी करने के लिए कांग्रेस पार्टी और उसके पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पर जमकर निशाना साधा। भगवा पार्टी ने कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का अपमान करने के लिए जनता उसे सबक सिखाएगी। यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस नेताओं ने किसी राज्य के चुनाव से पहले विवाद खड़ा किया है। कर्नाटक में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने खुद प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक आक्षेप लगाकर विवाद खड़ा कर दिया।

होटलकर्मियों के साथ मारपीट के मामले में एक आईएएस और आईपीएस सहित पांच लोग निलंबित

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले में एक होटल में कर्मचारियों को कथित रूप से पीटने के मामले में विभागीय जांच लंबित रहने तक भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक-एक अधिकारी सहित पांच लोगों को मंगलवार को निलंबित कर दिया गया। एक सरकारी आदेश के अनुसार निलंबित किये गये अधिकारियों में अजमेर विकास प्राधिकरण के आयुक्त गिरिधर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सुशील कुमार, पटवारी नरेंद्र सिंह दहिया, कांस्टेबल मुकेश कुमार व एलडीसी हनुमान प्रसाद चौधरी शामिल हैं। मामले की जांच अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक -सतर्कता (एडीजी- सतर्कता) को सौंपी गई है। सोशल मीडिया पर मंगलवार को एक होटल के कर्मचारियों को पीटने का वीडियो वायरल हुआ था।

राजस्थान ही नहीं अब झारखंड में भी बीजेपी की स्टार वसुंधरा राजे का जलवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान चुनाव से पहले वसुंधरा राजे भाजपा की योजना में वापस आ गई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री को पार्टी द्वारा प्रदेश से दूर झारखंड में तैनात किया गया। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री के रूप में नौ साल पूरे होने के मौके पर देश भर में भाजपा के प्रचार अभियान के तहत राजे ने मंगलवार को गोड्डा में एक रैली की है। योजना है कि भाजपा के शीर्ष नेता देश भर के सभी लोकसभा क्षेत्रों को कवर करें। राजे को झारखंड के गिरिडीह, दुमका, गोड्डा और कोडरमा लोकसभा क्षेत्रों का जिम्मा सौंपा गया है। इस लिहाज से मंगलवार की रैली आश्चर्यजनक नहीं है।

झामुमो के गढ़ में किया जनसभा को संबोधित

महत्वपूर्ण था वह यह था कि कई वर्षों में यह शायद पहली बार था जब भाजपा ने राजे को राजस्थान के बाहर इस तरह के कार्यक्रम में शामिल किया। देश भर में हुए दर्जनों विधानसभा चुनावों के साथ-साथ उपचुनावों में, राजे को भाजपा के स्टार प्रचारकों में शामिल नहीं किया गया है, भले ही वह दो बार पूर्व मुख्यमंत्री होने के अलावा पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। उन्हें उत्तराखंड में भाजपा के मुख्यमंत्रियों पुष्कर धामी और उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया गया था, लेकिन इन दोनों राज्यों में भी पार्टी के प्रचार से वो गायब थीं। जैसे-जैसे राजस्थान चुनाव करीब आ रहा है, भाजपा नेतृत्व राजे के साथ अपने संबंध सुधारने की कोशिश कर रहा है। वसुंधरा राजे राजस्थान में पार्टी की सबसे बड़ी नेता बनी हुई हैं। कर्नाटक चुनावों के बाद इस प्रयास में तेजी आई है, जहां भाजपा के नुकसान को काफी हद तक वहां के सबसे भरोसेमंद नेता, पूर्व सीएम बी एस येदियुरप्पा को दरकिनार करने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था। राजे राजस्थान में लगभग उसी लीग में हैं। राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली दो सभाओं में राजे ने गौरवपूर्ण स्थान हासिल किया है।

हाथ की मेंहदी भी नहीं छूटी, ससुराल से उठी नयी दुल्हन की अर्थी!

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर में हत्या का मामला सामने आया है। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक चौंकाने वाली घटना में, एक नवविवाहित व्यक्ति ने कथित तौर पर दोनों के बीच गरमागरम बहस के बाद अपनी पत्नी की चाकू मारकर हत्या कर दी। इंदौर में शख्स ने शादी के 17 दिन बाद पत्नी की चाकू मारकर हत्या कर दी। लड़की के परिवार ने बेटी की हत्या के पीछे दहेज को कारण बताया है। मृतक लड़की का नाम अंजलि हैं। अंजलि के चाचा ओमप्रकाश यादव के अनुसार, परिवार शादी के दूसरे दिन से ही अंजलि को 'दहेज' के लिए परेशान कर रहा था, उनके दावे के अनुसार विक्रम (अंजलि का पति) के पिता ने शादी से एक दिन पहले उनसे 2 लाख या शादी रद्द करने की मांग की। अंजलि के परिवार के सदस्य ने एक दिन के लिए कहा 2 लाख का भुगतान करें। अगले दिन विक्रम के परिजन ओमप्रकाश यादव के घर पहुंचे जहां उन्होंने वादे के मुताबिक 2 लाख रुपए ले लिए। लेकिन विक्रम के परिवार का लालच नहीं थमा और कार और महंगी चीजों की मांग करने लगा। आरोपी पति रसोई से चाकू लाया था और कथित तौर पर 7 जून को अपनी पत्नी की हत्या करने के लिए चाकू मारा। कथित तौर पर अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद उसने खुद को भी घायस कर लिया। आरोपी पति की पहचान महू निवासी विक्रम सगोतिया और पीड़ित पत्नी की पहचान देपालपुर निवासी अंजलि के रूप में हुई है। उनकी शादी के सिर्फ 17 दिन हुए थे, जब विक्रम ने कथित तौर पर पत्नी अंजलि की हत्या कर दी थी। इनकी शादी 21 मई को हुई थी। एक पत्रकार कविश अज़ीज़ ने

शादी के 17 दिन बाद ही नवविवाहिता की पति ने 10 बार चाकू मारकर की हत्या

अंजलि का अपनी शादी के दिन डांस करते हुए वीडियो ट्वीट किया। अजीज ने बताया कि एक खूबसूरत लड़की को उसके पति ने शादी के महज 17 दिन बाद मार डाला। उन्होंने आगे कहा कि अंजलि ने अपनी मृत्यु से एक रात पहले अपने परिवार को फोन किया और अपने परिवार को वापस घर ले जाने के लिए कहा, लेकिन चूंकि देर रात थी, अंजलि के भाई रूपेश ने उसे अगले दिन सुबह आने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि रूपेश 7 जून की सुबह देपालपुर से महू के लिए निकला था और जैसे ही वह अंजलि के घर पहुंचा तो उसने किसी के चिल्लाने की आवाज सुनी। उसने कहा, रूपेश जांच करने के लिए ऊपर पहुंचा। उन्होंने पाया कि विक्रम ने उसका हाथ झटक दिया और घर से बाहर भाग गया। उन्होंने आगे कहा, अंजलि कमरे में घायल अवस्था में पड़ी थी, उसके शरीर से खून निकल रहा था। रूपेश अंजलि को अस्पताल ले गया और परिवार के सदस्यों को सूचित किया, लेकिन बाद में अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, दोनों को अस्पताल ले जाया गया जहां अंजलि को मृत घोषित कर दिया गया और आरोपी विक्रम को इलाज के लिए भर्ती

कराया गया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने परिवार के दबाव में शादी की थी और घटना के दो दिन पहले उसे नौकरी से निकाल दिया गया था, इसलिए उसने अंजलि को मारने का फैसला किया क्योंकि वह उसकी देखभाल करने से डरता था। पुलिस ने यह भी कहा, आरोपी विक्रम अपना बयान बदल रहा है। डीएसपी दिलीप चौधरी ने बताया कि नवविवाहिता के परिजनों ने पति व परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। विक्रम के पिता महेश, मां दुर्गा और भाई कृष्णा के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। डीएसपी चौधरी ने बताया कि दीपा, जगदीश, धरंका निवासी रानी और इंदौर निवासी रजनी के खिलाफ भी प्रताड़ना का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को किशनगंज चौपाटी से महेश उर्फ काका और उसके भाई कृष्णा को गिरफ्तार किया है। महेश के खिलाफ 10 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। सिविल अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक अंजलि को उसके आरोपी पति ने 10 से ज्यादा बार चाकू मारा था। अंजलि के चाचा ओमप्रकाश यादव के मुताबिक शादी के दूसरे दिन से ही परिजन दहेज के लिए अंजलि को प्रताड़ित कर रहे थे। उसने दावा किया कि विक्रम के पिता ने शादी से एक दिन पहले उससे 2 लाख रुपये की मांग की और दहेज की राशि का भुगतान करने में विफल रहने पर शादी रद्द करने की धमकी दी। यादव ने कहा, अगले दिन, विक्रम के पिता को 2 लाख रुपये का भुगतान किया गया था, लेकिन उनका लालच खत्म नहीं हुआ और वे कार सहित महंगे सामान की मांग करने लगे।

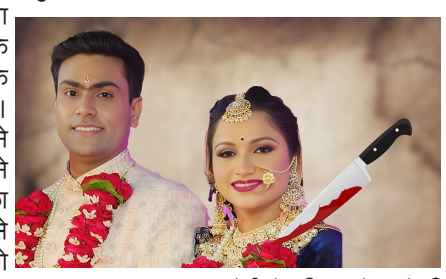

अफ्रीकी में सौर परियोजनाओं को बढ़ावा दे अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन : आर के सिंह

नयी दिल्ली। केंद्रीय बिजली मंत्री आर के सिंह ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) से अफ्रीकी देशों में ग्रिड-स्केल सौर ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देने को कहा है, जिससे उन्हें हरित कोष मिलने में मदद मिल सके। बिजली मंत्री ने यह बात मंगलवार को उनसे मिले फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल से बातचीत के दौरान कही। बिजली मंत्रालय ने बुधवार को बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, केंद्रीय मंत्री ने आईएसए के लिए सौर ऊर्जा परियोजनाएं, विशेष रूप से अफ्रीकी देशों में बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया।

मंत्रालय ने उनके हवाले से कहा, 'आईएसए को एक जोखिम-रहित तंत्र स्थापित करना चाहिए और अधिक हरित कोष का भी दोहन करना चाहिए और इस प्रकार अफ्रीकी महाद्वीप में ग्रिड-स्केल सौर ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देना चाहिए।' उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से मजबूत देश अक्षय ऊर्जा कोष खुद से तैयार कर लेंगे लेकिन गरीब देशों को हरित कोष की जरूरत होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'हमें ऐसे देशों की मदद करनी होगी, जिन्हें कोष की जरूरत है।'

दोनों पक्षों ने आईएसए की ओर से केन्या में एक सम्मेलन आयोजित करने करने के विचार पर भी चर्चा की। सिंह ने प्रतिनिधियों को बताया कि भारत का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन वैश्विक औसत का एक-तिहाई होने के बावजूद देश पारंपरिक ऊर्जा से अक्षय ऊर्जा स्वीकार्यता में सबसे आगे है। उन्होंने कहा कि भारत की लगभग 43 प्रतिशत क्षमता गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित है और देश 2030 तक कार्बन उत्सर्जन गहनता को घटाकर 45 प्रतिशत पर लाने को प्रतिबद्ध है।

भाजपा पर साधा निशाना, बोले- 2024 में करारा जवाब मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तमिलनाडु के बिजली मंत्री वी सेंथिल बालाजी को चेन्नई में धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत बुधवार तड़के चेन्नई, करूर में उनके परिसर और सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में घंटों छापेमारी के बाद गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, इसको लेकर राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक के अध्यक्ष एमके स्टालिन वी सेंथिल बालाजी को गिरफ्तार किए जाने के बाद केंद्रीय एजेंसी पर अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगी को 'शारीरिक व मानसिक रूप से परेशान' करने का आरोप लगाया। एमके स्टालिन ने राज्य के मंत्री वी. सेंथिल बालाजी से मुलाकात की, जो आज ओमंडूरार सरकारी अस्पताल में भर्ती हैं।

एमके स्टालिन ने कहा कि सेंथिल बालाजी और उनकी पार्टी इस मामले का सामना कानूनी रूप से करने को तैयार है। भाजपा पर हमले तेज करते हुए मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र की सत्ताधारी पार्टी अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों

गिरफ्तार मंत्री से मिले सीएम एमके स्टालिन

के खिलाफ जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। स्टालिन ने एक बयान में आरोप लगाया, ''उन्होंने (ईडी) उन पर इतना दबाव बनाया कि उनके सीने में दर्द होने लगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि ईडी के अधिकारियों ने बालाजी को अस्पताल ले जाने से पहले देर रात दो बजे तक ऐसा किया कि वह अब गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की इन धमकियों के आगे द्रमुक घुटने नहीं टेकेगी। लोग इस तरह के दमन को देख रहे हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव में इसका

करारा जवाब देंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने वी सेंथिल बालाजी को गिरफ्तार करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कदम को सरकार द्वारा उत्पीड़न और प्रतिशोध की राजनीति करार देते हुए कहा कि विपक्षी दल ऐसी कार्रवाइयों के आगे झुकने वाले नहीं हैं। खरगे ने एक बयान में कहा कि यह (बालाजी के खिलाफ कार्रवाई) कुछ और नहीं, बल्कि मोदी सरकार द्वारा उन लोगों के खिलाफ राजनीतिक उत्पीड़न और प्रतिशोध की कार्रवाई है, जो उसका विरोध करते हैं।' राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी डबल इंजन सरकार कहते हैं। जिन राज्यों में विपक्ष की सरकार है उधर उनकी डबल इंजन सरकार डबल बैरल सरकार बन जाती है, जिसमें इनके ईडी, सीबीआई डबल बैरल हैं। विपक्ष की सरकारों पर वे इस डबल बैरल को चलाते हैं... जहां उ, ण्ँघ से सरकार नहीं गिरती वहां खरीद-फरोख्त करते हैं।

आम आदमी पार्टी ने एक बयान जारी कर कहा कि हम प्रवर्तन निदेशालय द्वारा तमिलनाडु के बिजली मंत्री सेंथिल बालाजी की देर रात हुई गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हैं। जिस तरह से उनकी स्वास्थ्य की स्थिति के बावजूद उन्हें गिरफ्तार किया गया वह अमानवीय है और उ के काम करने के तरीकों पर गंभीर चिंता पैदा करता है। यह गिरफ्तारी भारत के विपक्ष पर लगातार हो रहे हमले का हिस्सा है और यह हमारे लोकतंत्र की बुनियाद को कमजोर करती है। हम बालाजी और उन सभी विपक्षी नेताओं के साथ एकजुटता से खड़े हैं जो भाजपा के अलोकतांत्रिक टारगेट के शिकार हुए हैं।

बालों की कट स्टाइल साधना कट के नाम से जानी जाती हैः साधना

मुम्बई। भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री रही हैं। उन्होंने फ़िल्म अबाणा से अपना फ़िल्मी सफर आरम्भ किया था। साधना ने हिन्दी फ़िल्मों से जो शोहरत पाई और जो मुकाम हासिल किया, वह किसी से छिपा नहीं है। साधना का पूरा नाम साधना शिवदासानी (बाद में नैय्यर) था। वह अपने माता-पिता की एकमात्र संतान थीं। अपने बालों की स्टाइल की वजह से भी साधना प्रसिद्ध थीं, उनके बालों की कट स्टाइल साधना कट के नाम से जानी जाती है। साधना के पिता का नाम शेवाराम और माता का नाम लालीदेवी था। माता-पिता की एकमात्र संतान होने के कारण साधना का बचपन बड़े प्यार के साथ व्यतीत हुआ था। 1947 में भारत के बंटवारे के बाद उनका परिवार कराची छोड़कर मुंबई आ गया था। इस समय साधना की आयु मात्र छः साल थी। साधना का नाम उनके पिता ने अपने समय की पसंदीदा अभिनेत्री साधना बोस के नाम पर रखा था। साधना ने आठ वर्ष की उम्र तक अपनी शिक्षा घर पर ही पूरी की थी। ये शिक्षा उन्हें उनकी माँ से प्राप्त हुई थी। रूपहले पर्दे पर अपनी दिलकश अदाकारी से घर-घर में पसंद की जाने वाली साधना का विवाह आर।के। नैय्यर के साथ हुआ था, जिस कारण वह साधना नैय्यर के नाम से भी जानी गईं, किंतु उनका साधना नाम ही ज़्यादा प्रसिद्ध रहा। जब साधना स्कूल की छात्रा थीं और नृत्य सीखने के लिए एक डांस स्कूल में जाती थीं, तभी एक दिन एक नृत्य-निर्देशक उस डांस स्कूल में आए। उन्होंने बताया कि राजकपूर को अपनी फ़िल्म के एक ग्रुप-डांस के लिए कुछ ऐसी छात्राओं की ज़रूरत है, जो फ़िल्म के ग्रुप डांस में काम कर सकें। साधना की डांस टीचर ने कुछ लड़कियों से नृत्य करवाया और जिन लड़कियों को चुना गया, उनमें से साधना भी एक थीं। इससे साधना बहुत खुश थीं, क्योंकि उन्हें फ़िल्म में काम करने का मौका मिल रहा था। राजकपूर की वह फ़िल्म थी- श्री 420। डांस सीन की शूटिंग से पहले रिहर्सल हुई। वह गाना था- रमैया वस्ता वइया...साधना शूटिंग में रोज़ शामिल होती थीं। नृत्य-निर्देशक जब जैसा कहते साधना वैसा ही करतीं। शूटिंग कई दिनों तक चली। लंच-चाय तो मिलते ही थे, साथ ही चलते समय नगद मेहनताना भी मिलता था।एक दिन साधना ने देखा कि श्री 420 के शहर में बड़े-बड़े बैनर लगे हैं। लेकिन यह एक संयोग ही कहा जायेगा कि जिस राजकपूर ने साधना को उनकी पहली फ़िल्म में आंसू दिए थे, उन्होंने आठ साल बाद उनके साथ दूल्हा दुल्हन में हीरो का रोल निभाया। 1958 में साधना ने अपनी पहली सिंधी फ़िल्म अबाणा की थी। इस फ़िल्म को करते समय उनकी आयु 16-17 वर्ष थी। अभिनेत्री शीला रमानी इस फ़िल्म की नायिका थीं और साधना ने इस फ़िल्म में उनकी छोटी बहन का किरदार निभाया था। उनकी देवआनंद के साथ एक फ़िल्म साजन की गलियाँ कुछ कारणों से थियेटर तक नहीं पहुँच सकी और प्रदर्शित नहीं हो पाई।साधना ने कई कला फ़िल्मों में भी अभिनय किया। रोमांटिक और रहस्यमयी फ़िल्मों के अलावा उन्हें कला फ़िल्मों में भी बहुत सराहा गया। उनकी हेयर स्टाइल आज भी साधना कट के नाम से जानी जाती है। चूड़ीदार कुर्ता, शरारा, गरारा, कान में बड़े झुमके, बाली और लुभावनी मुस्कान यह सब साधना की विशिष्ट पहचान रही है।

सही ड्रेस ही नहीं, सही ड्रेस सेंस भी है बहुत जरूरी

सही ड्रेस सेंस व्यक्तित्व को एक आकर्षक पहचान देता है। इससे आप इंटरव्यू, पार्टी-फंक्शन, मीटिंग, स्कूल, कॉलेज और दफ्तर में लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं। कपड़े पहनने के साथ-साथ उन्हें स्टाइल देने का सेंस होना बेहद जरूरी है। इसलिए यह बात मायने रखती है कि आप जो पहन रहे रही हैं, उसे किस ढंग से पहन रहेरही हैं। यूं तो ड्रेस सेंस हर उम्र के लोगों के लिए मायने रखता है। लेकिन युवक-युवतियों के लिए यह कुछ ज्यादा ही अहमियत रखता है। दरअसल ड्रेस सेंस ऐसा होना चाहिए कि लोग देखें तो नजर ठहर सी जाए। इसके साथ ही उसे आपके कपड़े का चुनाव और उसे पहनने के खास अंदाज के लिए आपके प्रशंसा करनी पड़े। कपड़े व्यक्तित्व को निखारने के साथ-साथ आप में आत्मविश्वास भी पैदा करते हैं। लिहाजा कपड़े का चुनाव पूरी तरह सोच-विचार कर करें। क्योंकि इस व्यवसायिक युग में आपके बारे में कोई भी धारणा आपके आउटफिट से ही लगाई जाती है। अच्छी ड्रेस आपको हमेशा ताजा बनाए रखती है। इससे आपके अंदर हमेशा जोश और आत्मविश्वास का संचार होता रहता

है। इंटरव्यू देना हो, किसी मीटिंग या जरूरी काम को अंजाम देना हो तो आपको उसके लिए पहले से ही तैयारियां करनी पड़ती हैं। मसलन प्वाइंटस तैयार करना, सभी बातों की खबर रखना, पर इन सबके साथ-साथ आपका ड्रेस सेंस भी इसमें अहम भूमिका निभाता है। हालांकि किसी भी क्षेत्र में कामयाबी सतत मेहनत और लगन से मिलती है। लेकिन बेहतर और आकर्षक कपड़े का चुनाव जहां आपके फस्ट इंप्रेशन को मजबूत करता है वहीं आपकी सकारात्मक सोच में भी बढ़ोत्तरी करता है। दरअसल ड्रेस सेंस की महत्ता इसलिए भी बढ़ जाती है कि सिर्फ कीमती कपड़े पहनकर आकर्षक नहीं बना जा सकता। क्योंकि कपड़े का चयन करने से पहले शारीरिक बनावट और कद काठी का ध्यान रखना सबसे अहम होता है। कोई युवक-युवती चाहे जितना भी खूबसूरत हो, लेकिन यदि उसने अपनी कद-काठी के अनुसार, ड्रेस न पहना हो तो वह आकर्षक नहीं दिख सकते। लिहाजा आपके ड्रेस की डिजाइन कट और स्टाइल ऐसी होनी चाहिए जिससे आपके व्यक्तित्व में निखार आए। आमतौर पर जो लड़कियां या लड़के स्लिम-ट्रिम हैं उनके लिए तो सब चल जाता है। लेकिन जो मोटे या काफी डील-डौल वाले हैं, वे टी-शर्ट या हैवी वर्क वाले कपड़े तथा हाईनेक वाले कपड़े न पहनें। हाफ स्ट्राइप्सवाले आउटफिट पहनने से आपकी हाइट भी अच्छी लगेगी और स्लिमर लुक भी मिलेगा।

आदिपुरुष के निर्देशक ओम राउत और कृति सेनन ने तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में किया दर्शन

मुम्बई। फिल्म आदिपुरुष का दूसरा ट्रेलर भव्य रुप से रिलीज किया गया। इससे पहले फिल्म की कास्ट और निर्देशक तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर मंदिर गये। प्रभास, कृति सेनन, सनी सिंह, ओम राउत सहित आदिपुरुष की पूरी टीम ने भगवान के दर्शन किए। यहां तक तो सब कुछ ठीक था लेकिन फिल्म के निर्देशक से अनजाने में कुछ ऐसा हो गया जिसके बाद सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा हो गया। मंदिर परिसर के बाहर फिल्म निर्माता ओम राउत द्वारा कृति सेनन को अलविदा (बाय) कहते हुए देखे जाने के बाद विवाद छिड़ गया। इसके चलते सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया और भाजपा के राज्य सचिव रमेश नायडू ने इसके खिलाफ टिप्पणी की। टिप्पणी करने के बाद इस ट्वीट को भले ही हटा दिया गया है लेकिन मंदिर परिसर में कृति को किस करके बाय करने के

लिए ओम राउत की सोशल मीडिया पर अलोचना हो रही हैं। टीम आदिपुरुष ने 6 जून को तिरुमाला में फिल्म के अंतिम ट्रेलर का अनावरण किया और यह एक शानदार शो था। बुधवार को डायरेक्टर ओम राउत और कृति सेनन को तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए स्पॉट किया गया। अब वायरल हो रहे एक वीडियो में, फिल्म निर्माता को कृति को अलविदा कहते हुए उनके गाल पर किस करते हुए देखा जा सकता है। यह नेटिज़न्स के एक वर्ग ने इसके खिलाफ टिप्पणी की। इस पर नाराजगी जताते हुए भाजपा नेता ने सवाल किया कि क्या यह जरूरी था। ट्वीट अब डिलीट हो गया है। कृति सेनन और ओम राउत ने 7 जून की सुबह तिरुपति में भगवान वेंकटेश्वर मंदिर का दौरा किया। दर्शन करने के बाद, दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया और राउत को कृति को विदा करते हुए देखा गया, क्योंकि वह अपनी कार में जा रही थी। बाद में, मंदिर की अपनी यात्रा के बारे में, निर्देशक ओम राउत ने कहा, 'मंदिर में आने के बाद, मुझे बेहद अद्भुत लग रहा है। यह अच्छा लगा। आज सुबह हमने बहुत अच्छा दर्शन किया।

घर और दफ्तर में बखूबी तालमेल स्थापित कर रही है नारी

आज की महिला पुरुषों से पीछे नहीं है बल्कि कंधे से कंधा मिला कर देश की सुरक्षा और उन्नति में सहायक है। देश की सुरक्षा सबसे अहम होती है तो इस क्षेत्र में आखिर महिलाओं की भागीदारी को कम क्यों आंका जाए। देश की मिसाइल सुरक्षा की कड़ी में 5000 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली अग्नि-5 मिसाइल का जिस महिला ने सफल परीक्षण कर पूरे विश्व मानचित्र पर भारत का नाम रौशन किया है, वह हैं टेसी थॉमस। डॉ. टेसी थॉमस को कुछ लोग मिसाइल वूमन कहते हैं, तो कई उन्हें अग्नि-पुत्री का खिताब देते हैं। टेसी थॉमस पहली भारतीय महिला हैं, जो देश की मिसाइल प्रोजेक्ट को संभाल रही हैं। टेसी थॉमस ने इस कामयाबी को यूं ही नहीं हासिल किया, बल्कि इसके लिए उन्होंने जीवन में कई उतार-चढ़ाव का सामना भी करना पड़ा।

एक वैश्विक दिन महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का उत्सव माना गया है। आज जब विश्व इक्कीसवीं सदी में जा रहा है और चारों तरफ परिवर्तनों, विकास की भाग-दौड़ मची है, ऐसे में सभी एक दूसरे से आगे निकलना चाह रहे हैं। सामाजिकता, पारिवारिकता व्यक्तिवाद में सिमटती जा रही है। इसमें मातृत्व शक्ति की भूमिका व स्थिति क्या है इस पर विचार करना आवश्यक हो जाता है। यदि हम अपने चारों ओर देखें तो कल की चहार दीवारी के अन्दर की लज्जाशील, लम्बा घूंघट निकालने वाली महिला का स्थान आधुनिक और प्रत्येक क्षेत्र में कन्धे से कन्धा मिलाकर चलने वाली नारी शक्ति ने ले लिया है। शिक्षा, चिकित्सा, इन्जीनियरिंग, सेना, खेल, व्यापार, नीति-निर्धारण, धर्म-साहित्य, राजनीति, प्रौद्योगिकी आदि प्रत्येक क्षेत्र में आज नारी को बढ़ता हुआ देखा जा सकता है। हमारे देश में ही विश्व की सबसे प्राचीनतम कृति वेदों मे कहा गया है- जो सृष्टि कर्त्ता की ओर से दुर्लभ उपहार है। माँ शक्ति, भक्ति व श्रद्धा की आराध्य हैं। दुनिया की सबसे बड़ी धरती है। प्रथम प्रणाम की अधिकारी है। माँ ममता की अनमोल दास्तान है। आधी से अधिक उसके पास शक्ति है। आधी तो स्वयं नारियां हैं और बच्चे जो उनकी छाया में पलते हैं। अब नारी चाहे जैसा अपनी सन्तान को बना सकती है। नारी को कितना महत्व दिया गया है हमारे वेदों में यह उपयुक्त पंक्तियों से स्पष्ट है। भारत मे महिलाओं की स्थिति को बदलने में कई महान महिलाओं (विजया लक्ष्मी पंडित, सरोजनी नायडू, एनी बेसेंट, महादेवी वर्मा, मदर टेरेसा, पीटी उषा, पद्मजा नायडू, कल्पना चावला, अरुणा आसफ अली, आदि) का हाथ है। भारत के एक प्रधानमंत्री के रूप में श्रीमती इंदिरा गाँधी के आने के बाद महिलाओं की स्थिति में बहुत सकारात्मक बदलाव आया था। वह दुनिया भर में प्रसिद्ध महिला थीं। उनके बाद भी कई महिलाओं ने भारत में प्रतिष्ठित पद हासिल कर साबित कर दिया कि महिलाएं पुरुषों के साथ साथ कार्य कर सकती हैं। महिलाओं की सुरक्षा के बारे में और अपराध को कम करने के लिए, भारत सरकार ने किशोर न्याय (देखभाल और बच्चों की सुरक्षा) विधेयक, 2015 पारित कर दिया है। यह 2000 के पहले भारतीय बाल अपराध कानून की जगह आया है। इस विधेयक को विशेष रूप से निर्भया मामले के बाद लाया गया था। इसके अधिनियम के अनुसार, किशोर उम्र को जघन्य अपराधों के मामलों में 18 वर्ष से 16 वर्ष किया गया है। सेक्शन 15 के अंतर्गत 16-18 आयुवर्ग में जघन्य अपराध करने वाले किशोर अपराधियों से निपटने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। यह कानून बनने से बच्चों द्वारा किए जाने वाले बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराधों को रोकने में मदद मिलेगी और पीड़ित के अधिकारों की रक्षा होगी।

पूरे देश में समान नंबर 181 के साथ महिला हेल्पलाइन बनाने का प्रस्ताव है। यह हेल्पलाइन महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा स्थापित किए जाने वाले वन स्टॉप सेंटर से जुड़ेगी। अभी तक 21 राज्यों को वित्तीय सहायता दी गई है और ये हेल्पलाइन चालू हो गई है। नारी की साहसिक यात्रा अपने आकाश के साथ स्वतंत्रता की सांस ले रही है। आज महिलाएं फेसबुक जैसी सोशल नेटवर्किंग साइटस पर अपनी बातें शेयर कर रही हैं। देश दुनिया की खबर रखती आज की नारी घर और दफ्तर में बखूबी तालमेल स्थापित कर रही है। समय के साथ खुद को अपडेट करती हुई अपनी बेटी को भी स्वावलंबी बना रही हैं। वर्तमान सदी चूँकि महिला सदी है, इसलिए महिलाओं को अपनी सार्थकता सिद्ध करनी है। नारी परिवार की धुरी है। उस पर ही परिवार की स्थिति-अवस्थिति का चक्र निर्भर करता है। उसको अपनी धुरी होने की सार्थकता दर्शानी है। अपने आधार होने को प्रमाणित करना है। कहा जाता है कि नारी से परिवार, परिवार से समाज और समाज से देश सशक्त बनता है। कार्य की सफलता के लिए भारतीय नारी सदैव ही आवश्यक मानी जाती रही है। मनुस्मृति तो कार्य की सफलता ही नारी की स्थिति पर निर्भर दिखलाती है- यत्र नार्यस्तु पूजयन्ते रमन्ते तत्र देवताः यत्र नार्युस्तु न पूजयन्ते तत्र सर्वा क्रिया अफलाः भवति। अर्थात् जहाँ नारियों की पूजा होती है। देवता निवास करते हैं और जहाँ नारियों का अनादर होता है वहां सभी कार्य निष्फल हो जाते हैं।

सत्यप्रेम की कथा के लिए कार्तिक आर्यन को दिए गये 25 करोड़ कियारा आडवाणी को इसकी आधी भी नहीं मिली फीस?

मुम्बई। कियारा आडवाणी और कार्तिक आर्यन अपनी प्रेम कहानी सत्यप्रेम की कथा के ट्रेलर से दिल जीत रहे हैं। निर्माताओं ने सोमवार को ट्रेलर जारी किया और तब से प्रशंसक इस पर प्यार बरसा रहे हैं। कलाकार और चालक दल भी शानदार प्रतिक्रिया का जश्न मना रहे हैं। प्रशंसकों को 29 जून तक सिनेमाघरों में सत्यप्रेम की कथा के हिट होने का इंतजार करना होगा। ताजा रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि फिल्म के लिए कियारा आडवाणी की फीस कार्तिक आर्यन से आधी भी नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक

कियारा आडवाणी को सत्यप्रेम की कथा के लिए 4 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं जबकि कार्तिक आर्यन ने 25 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं।रिपोर्ट का दावा है कि फिल्म पर बहुत कुछ निर्भर है, खासकर कार्तिक की आखिरी रिलीज शहजादा के बॉक्स ऑफिस पर असफल होने के बाद। हालांकि, इस बात की कोई पुष्टि नहीं है कि आगामी बॉलीवुड फिल्म के लिए किसे कितनी राशि का भुगतान किया जा रहा है। यह सिर्फ कुछ मीडिया रिपोर्ट का दावा है प्रभासाक्षी इसकी पुष्टी नहीं करता है। फिल्म में कार्तिक आर्यन एक कुंवारे लड़के सत्यप्रेम का किरदार निभा रहे हैं, जो एक गुजराती पृष्ठभूमि से आता है। सत्यप्रेम शादी करने के लिए बेताब है और कियारा जो कि फिल्म में कथा का किरदार निभा रही है उनके प्यार में पड़कर उनसे सच्चा प्यार करता है। फिल्म को इसका शीर्षक इसके प्रमुख पात्रों और उनकी प्रेम कहानी से मिला है। ट्रेलर गुजराती संस्कृति, लुभावने परिदृश्यों को उजागर करने वाली कई जीवंत सेटिंग्स के माध्यम से मुख्य पात्रों का अनुसरण करता है और कार्तिक के चरित्र की शादी करने की हताशा पर निर्देशित कई पंचलाइनों को प्रदर्शित करता है। एनजीई और नमह पिक्चर्स द्वारा निर्मित, 'सत्यप्रेम की कथा' का निर्देशन समीर विदवान्स ने किया है और इसमें गजराज राव और सुप्रिया पाठक भी हैं। यह फिल्म 29 जून, 2023 को सिनेमाघरों में डेब्यू करने के लिए तैयार है।

अर्जुन कपूर ने मां की मौत के 6 साल बाद तक नहीं खोला कमरा

नई दिल्ली। अर्जुन कपूर के साथ परिणीति चोपड़ा थी। दोनों की फिल्म में शानदार केमिस्ट्री देखने को मिली थी। भले ही पहले फिल्म ने अर्जुन कपूर को स्टार बना दिया हो लेकिन फिल्म की रिलीज से एक महीने पहले ही अर्जुन के साथ एक ऐसा हादसा हुआ था जिसमें अर्जुन ने अपनी जिंदगी की सबसे कीमती चीज को खो दिया था।

कहते हैं कि भगवान सबके पास नहीं रह सकते इस लिए उन्होंने मां को बनाया हैं। मां भगवान होती है जो आपने बच्चे का ध्यान रखती है। कई लोगों कि किस्मस में लेकिन मां नहीं होती हैं या मां का साथ समय से पहले ही छूट जाता हैं। उनमें से ही एक है बॉलीवुड के अभिनेता अर्जुन कपूर। आज से लगभग 8 साल पहले बोनी कपूर के बेटे अर्जुन कपूर ने फिल्म इशकजादे से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म 11 मई 2012 में सिनेमाघर में रिलीज हुई थी। फिल्म को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। इस फिल्म में अर्जुन कपूर के साथ परिणीति चोपड़ा थी। दोनों की फिल्म में शानदार केमिस्ट्री देखने को मिली थी। भले ही पहले फिल्म ने अर्जुन कपूर को स्टार बना दिया हो लेकिन फिल्म की रिलीज से एक महीने पहले ही अर्जुन के साथ एक ऐसा हादसा हुआ था जिसमें अर्जुन ने अपनी जिंदगी की सबसे कीमती

चीज को खो दिया था। फिल्म की रिलीज से एक महीने पहले अर्जुन कपूर की मां मोना कपूर का निधन हो गया था। मोना कपूर बोनी कपूर की पहली पतनै थी। मोना से तलाक लेने के बाद बोनी कपूर ने श्रीदेवी से शादी कर ली थी। मोना और बोनी कपूर के दो बच्चे थे, अंशुला और अर्जुन। तलाक के बार मोना कपूर ने अकेले ही अपने दोनों बच्चों की परवरिश की थी। अर्जुन कपूर और अंशुला शुरू से ही अपनी मां को बहुत मानते थे। अर्जुन कपूर ने हाल ही में दिए गये एक इंटरव्यू में कहा कि वैसे तो मै हर वक्त अपनी मां को याद करता हूं लेकिन इस समय घर पर हूं इस लिए मां की बहुत ज्यादा याद आती है। मां के चले जाने के बाद मैंने अपने आप को काम में ही झोंक दिया था। मेरी मां मेरे डेब्यू से बहुत ज्यादा खुश थी। वह मेरी फिल्म देखना चाहती थी लेकिन ये ख्वाहिश उनकी अधूरी रह गयी। फिल्म की रिलीज से पहले ही उनका स्वर्गवास हो गया। इंटरव्यू के दौरान अर्जुन ने अपनी मां से जुड़ी एक बड़ी बात का खुलासा भी किया। उन्होंने कहा कि मां की मौत के बाद 6 साल तक मैने और बहन ने मां के कमरा नहीं खोला। हमारी हिम्मत ही नहीं होती थी दरवाजा खोलने की। अपने घर का एक हिस्से को बिना देखे कैसे रहा जा सकता है लेकिन अंशुला और मै बहुत डरते थे मां का कमरा खोलने से, मां का समान देखकर बहुत तकलीफ होती, इस वजह से हमने दरवाजा नहीं खोला। अर्जुन ने कहा कि मां के बाद मेरी सहारा बहन अंशुला ही थी। वह पहले दिल्ली में काम करती थी तब मै अकेला हो गया था। पूरा दिन काम करने के बाद मेरा बहुत मन करता था कि मै घर जाकर अपनी मां से पूरे दिन का हाल बताऊं। मुझे उन लोगों से कई बार जलन होती है जिनकी मां होती है। आपको बता दें कि अर्जुन का मां के लिए ये दर्द पहली बार नहीं फूटा है बल्कि पहले भी कई बार अर्जुन अपनी मां को याद करके सबके सामने भावुक हो चुके है। हाल ही में उन्होंने अपनी मां के लिए एक लेटर लिखकर सोशल मीडिया पर शेयर किया था।

आज का राशिफल.....

मेष राशिः आज का दिन आपका व्यर्थ की भागदौड़ में निकलने वाला है। आप किसी विशेष उद्देश्य से यात्रा आदि पर जा सकते हैं। वाद-विवाद से दूर रहें और वाणी पर संयम रखें।

वृषभ राशिः आज का दिन आपको संभलकर रहना चाहिए। यात्रा आदि पर जाएं तो वाहन आदि का उपयोग सावधानीपूर्वक करें। अपने पार्टनर से अच्छे संबंध बनाए रखें नहीं तो व्यापार में नुकसान उठाना पड़ सकता है।

मिथुन राशिः आज का दिन आपका अच्छा रहने वाला है। आप कोई धार्मिक यात्रा आदि पर जा सकते हैं। आज आपको हर कार्य में परिवार का सहयोग मिलेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। व्यापार आदि में कोई बड़ी साझेदारी होगी, जिससे आगामी समय में आपको बड़ा लाभ प्राप्त होगा।

सिंह राशिः आज के दिन स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आप व्यापार, व्यवसाय में कोई नया कार्य शुरू करने का सोच रहे हैं, परंतु अभी उसमें व्यवधान आ सकता है। वाणी पर संयम रखें।

कन्या राशिःआज का दिन आपके लिए कठिनाइयों से भरा रह सकता है। परिवार में पैतृक संपत्ति से संबंधित विवाद हो सकता है। पत्नी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

तुला राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। परिवार में मांगलिक कार्य होंगे। आपका कोई पुराना रुका हुआ काम आज किसी विशेष व्यक्ति के माध्यम से पूरा हो सकता है।

वृश्चिक राशिःआज का दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। आप अपने विरोधियों को न्यायालय पक्ष में पराजित कर सकते हैं। किसी बहुत पुराने विवाद में आज आप विजय प्राप्त कर सकते हैं।

धनु राशिः आज के दिन आप वाहन आदि संभाल कर चलाएं। किसी कार्य-विशेष के लिए आप अपने साथियों के साथ बाहर यात्रा पर जा सकते हैं।

मकर राशिः आज का दिन आपका सामान्य रहेगा। बहुत दिन से खराब स्वास्थ्य मैं आज आपको कुछ राहत मिलेगी। किसी नए बड़े काम का ऑफर आज आपको मिल सकता है।

कुंभ राशिःआज का दिन आप कोई नया वाहन या भवन आदि खरीद सकते हैं। प्रॉपर्टी में आप नया निवेश कर सकते हैं। आज आपका कोई पुराना मित्र मिल सकता है। जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

मीन राशिः आज का दिन आपका शानदार रहेगा। आप अपने आप को स्वस्थ महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में नए लोगों का सहयोग मिलेगा। आज आप अपने इष्ट मित्र के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर भी जा सकते हैं।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।